राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 292 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, सोमवार ,26 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

दुधमुंहे से दिलाई मुखाग्नि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना के रौद्र रूप ने एक और परिवार को अपना शिकार बना लिया। कोरोना से जंग में दंपति को बचाने के लिए एक हफ्ते में 17 लाख रु फूंक दिए लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। शनिवार को एक साथ दंपति का दाह-संस्कार किया गया। दंपति की छह वर्ष की बेटी और डेढ़ वर्ष का बेटा भी संक्रमित है। उसी दुधमुंहे से माता-पिता को मुखाग्नि दिलाई गई तो घाट पर मौजूद लोग रो पड़े। शाहपुर क्षेत्र के शताब्दीपुरम कॉलोनी निवासी 37 वर्षीय अजय जायसवाल और उनकी पत्नी 35 वर्षीय अंशिका जायसवाल एक हफ्ते पहले कोरोना पॉजीटिव पाए गए थे।

बाबुल सुप्रियो हुए कोरोना संक्रमित

कोलकत्ता, (एजेंसी)। बंगाल चुनाव के बीच बीजेपी उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो कोरोना संक्रमित हो गए हैं। वह दूसरी बार कोरोना पॉजिटिव हुए हैं। बाबुल सुप्रियो ने खुद ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि वह और उनकी पत्नी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया, मैं और मेरी पत्नी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। मैं दूसरी बार...बहुत दुखद है कि मैं आसनसोल में मतदान नहीं कर सकूंगा। मुझे 26 अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए यहां रहना था, जहां तृणमूल कांग्रेस के गुडों ने पहले ही मतदान को बाधित करने के लिए अपनी आतंक फैलाना शुरू कर दिया है।

टीएमसी प्रत्याशी का कोरोना से निधन

कोलकाता, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण का असर अब चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में दिखने लगा है। राज्य में कई नेता कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। सबसे पहले राज्य के मुर्शिदाबाद में कांग्रेस के उम्मीदवार की कोरोना से मौत हो गई। उसके बाद इसी कड़ी में आज एक टीएमसी नेता की भी मौत हो गई। खरदाहा से टीएमसी प्रत्याशी काजल सिन्हा की जान चली गई । इसके अलावा कोरोना संक्रमित कई नेता अस्पतालों और घरों में आइसोलेट हैं। टीएमसी उम्मीदवार के निधन पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने काजल की मौत पर दुख व्यक्त किया।

कार्टून

दिल्ली में एक सप्ताह और बढ़ा लॉकडाउन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोरोना के जारी कहर के मद्देनजर दिल्ली में लॉकडाउन एक सप्ताह के लिए और बढ़ाने का निर्णय लिया है। सीएम ने कहा कि जनता का भी यही मत है कि लॉकडाउन बढ़ाया जाना चाहिए। छह दिनों के लिए लगाए गए लॉकडाउन की अवधि कल सुबह 5:00 बजे खत्म हो रही है, जो अब अगले सोमवार (3 मई) सुबह 5:00 बजे तक प्रभावी रहेगा। सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार ने दिल्ली को अब 490 टन ऑक्सीजन आवंटित कर दिया है, लेकिन आवंटित पूरी ऑक्सीजन नहीं पहुंच पा रही है, जो अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी का बहुत बड़ा कारण है। ऑक्सीजन के सही प्रबंधन के लिए मैन्युफैक्चरर्स, अस्पतालों और उपयोग कताओं को दिल्ली सरकार के पोर्टल पर हर दो घंटे में अपनी ऑक्सीजन की स्थिति बताने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार की टीमें मिल कर काम कर रही हैं और कोशिश की जा रही है कि सप्लाई में आने वाली दिक्कतों को दूर किया जा सके। मैं उम्मीद करता हूं कि इतनी बड़ी इमरजेंसी से हम लोगों को जल्द छुटकारा मिलेगा।

- अब यह अगले सोमवार सुबह 5:00 बजे तक रहेगा प्रभावी

सीएम केजरीवाल ने कहा कि कोरोना का कहर जारी है। बहुत ज्यादा कोरोना बढ़ गया है और उसी के मद्देनजर पिछले हफ्ते हम लोगों ने 6 दिन का लॉकडाउन लगाया था, जो कल (सोमवार) सुबह 5:00 बजे खत्म हो रहा है। जिस तरह से दिल्ली के अंदर तेजी से कोरोना के केस बढ़ रहे हैं, उसको देखते हुए यह लॉकडाउन लगाना बहुत जरूरी हो गया था। कोरोना से निपटने के लिए यह एक तरह से आखरी हथियार है। जिस तरह से केस बढ़ रहे थे, यह आखरी हथियार इस्तेमाल करना बहुत जरूरी हो गया था। सीएम ने कहा कि अभी भी कोरोना का कहर जारी है और कोरोना कम नहीं हो रहा है। इसीलिए इसके मद्देनजर हम लोगों ने जनता के बीच में भी जब बात करने की कोशिश की तो सबका मत यही है कि लॉकडाउन को अभी और बढ़ाना चाहिए। इसलिए दिल्ली के अंदर लॉकडाउन को एक हफ्ते के लिए और बढ़ाया जा रहा है। अब लॉकडाउन अगले सोमवार (3 मई) को सुबह 5:00 बजे तक प्रभावी रहेगा।

सीएम केजरीवाल ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान हमने देखा कि कोरोना का संक्रमण दर लगभग 36 से 37 फीसद तक पहुंच गई। आज तक इतनी संक्रमण दर हमने दिल्ली में तो नहीं देखी, बाकी दुनिया भर में हो सकता है कि कहीं पर हुई हो। पिछले एक-दो दिन से संक्रमण दर थोड़ी सी कम हुई है। आज संक्रमण दर 30 के नीचे आई है। आज लगभग 29 पॉइंट कुछ आई है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि कोरोना खत्म होने की दिशा में जा रहा है, लेकिन यह अभी तक के तथ्य हैं। अभी और कुछ दिन देखना पड़ेगा। हो सकता है कि बढ़ जाए या हो सकता है कम हो जाए, लेकिन हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि कोरोना से हम सभी लोगों को मुक्ति मिले।

देश फिर एकजुट होकर कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। अपने कार्यक्रम मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना की पहली वेव का सफलतापूर्वक मुकाबला करने के बाद देश हौसले और आत्मविश्वास से भरा हुआ था लेकिन इस तूफान (दूसरी वेव) ने देश को झकझोर दिया है। इस समय हमें इस लड़ाई को जीतने के लिए विशेषज्ञों और वैज्ञानिक सलाह को प्राथमिकता देनी है। राज्य सरकार के प्रयत्नों को आगे बढ़ाने में भारत सरकार पूरी शक्ति से जुटी हुई है। राज्य सरकारें भी अपना दायित्व निभाने की पूरी कोशिश कर रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं आपसे मन की बात एक ऐसे समय कर रहा हूं जब कोरोना हम सभी के धैर्य हम सभी के दुख बर्दाश्त करने की सीमा की परीक्षा ले रहा है। बहुत से अपने हमें असमय छोड़कर चले गए। मैं आप सबसे आग्रह करता हूं, आपको अगर कोई भी जानकारी चाहिए हो, कोई और आशंका हो तो सही सोर्स से ही जानकारी लें। आपके जो फैमली डॉक्टर हो, आस-पास के डॉक्टर हों, आप उनसे फोन से संपर्क करके सलाह लीजिए। उन्होंने कहा कि कोरोना के इस संकट काल में वैक्सीन की अहमियत सभी को पता चल रही है, इसलिए मेरा आग्रह है कि वैक्सीन को लेकर किसी भी अफवाह में न आएं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत सरकार की तरफ से मुफ्त वैक्सीन का जो कार्यक्रम अभी चल रहा है, वो आगे भी चलता रहेगा। मेरा राज्यों से भी आग्रह है कि वो भारत सरकार के इस मुफ्त वैक्सीन अभियान का लाभ अपने राज्य के ज्यादा से ज्यादा लोागें तक पहुंचाएं। जैसे आज हमारे टीूँ' त्री'ि के लोग, ऋ्ठ्ङ्ल्ल३़'ल्ली हङ्ग१ ीि१२ दिन-रात सेवा कार्यों में लगे हैं। वैसे ही समाज के अन्य लोग भी, इस समय, पीछे नहीं हैं। देश एक बार फिर एकजुट होकर कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है।

बेहाल महाराष्ट्र को सीरम ने दिया पूरा समर्थन

मुंबई। देशभर में 1 मई से टीकाकरण के तीसरे चरण शुरूआत होने वाला है। कोरोना से सबसे अधिक तबाह महाराष्ट्र को टीकाकरण में सीरम इंस्टीट्यूट की ओर से पूरा समर्थन और सहयोग मिलेगा। ऐसा दावा मुख्यमंत्री कार्यालय ने आदार पूनावाला के हवाले से किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को राज्य में लोगों को जल्द से जल्द टीकाकरण में अधिकतम समर्थन का आश्वासन दिया है। सीएमओ कार्यालय ने ट्वीट किया, मुख्यमंत्री उद्धव साहेब ठाकरे को आदार पूनावाला और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा महाराष्ट्र में जल्द से जल्द वैक्सीनेशन के लिए अधिकतम समर्थन देने का भरोसा दिया गया है। एक अन्य ट्वीट में कहा गया कि हमें अपने राज्य में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जैसी विश्व स्तरीय संस्था होने पर गर्व है और हम अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की उम्मीद करते हैं।

बंगाल में कोरोना के कहर के बीच 36 सीटों पर 7वें चरण की वोटिंग आज

कोलकाता, (एजेंसी)। बंगाल में 7वें चरण के मतदान के बीच यानी 27 अप्रैल को 7वें चरण की वोटिंग है। राज्य की 36 विधासभा सीटों के लिए सोमवार को मतदान होगा। बीजेपी और सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने जहां वोटिंग से पहले अपनी कमर कस ली है तो वहीं कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को लेकर जनता में डर का माहौल है। सोमवार को साउथ दिनजापुर और मालदा की 6-6 सीट, मुशीर्दाबाद की 11 सीट, पश्चिमी बर्दमान की 9 और कोलकाता की चार सीटों पर चुनाव होना है।

दक्षिणी कोलकाता की चार में से एक सीट बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सीट भवानीपुर भी है, जहां से वह अभी तक चुनाव लड़ती आ रहीं थीं। इस बार यहां से टीएमसी सरकार में मंत्री सोवनदेब चटोपाध्याय चुनाव लड़ रहे हैं। बीजेपी ने इस सीट पर ऐक्टर रुद्रनील घोष को घड़ा किया है।

बता दें कि बंगाल की कुल 294 विधानसभा सीटों पर आठ चरणों में मतदान हो रहा है। आखिरी चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। राज्य में 27 मार्च को पहले चरण का मतदान हुआ था। वहीं, बंगाल में शनिवार को कोरोना वायरस के 14 हजार 281 नए मामले दर्ज हुए हैं। वहीं, 59 लोगों ने कोरोना से राज्य में दम तोड़ा। कुल संक्रमितों में से 1 हजार 27 मामले अकेले कोलकाता में ही दर्ज किए गए हैं और शहर में कोरोना से 20 मरीजों ने जान गंवाई। इस बीच रविवार को टीएमसी के तीसरे उम्मीदवार की कोरोना से मौत हो गई है। नॉर्थ 24 परगना जिले के खारदाह से टीएमसी उम्मीदवार काजल सिन्हा ने रविवार को कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। बता दें कि नॉर्थ 24 परगना में 22 अप्रैल को मतदान हुआ था।

देश के नामी डॉक्टरों ने बताया, कोरोना से ऐसे करें दो-दो हाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बीच लगातार रिकॉर्ड्स टूटते जा रहे हैं। महामारी को लेकर लोगों के मन में डर व्याप्त होने लगा है। देश के जाने-माने डॉक्टर्स लोगों को लगातार महामारी से जुड़ी अहम जानकारियां उपलब्ध कराने की कोशिश में लगे हुए हैं। कोरोना की वर्तमान स्थिति पर एम्स दिल्ली के डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया, मेदांता के चेयरमैन डॉ. नरेश त्रेहन, एम्स में मेडिसिन के प्रोफेसर और एचओडी डॉ. नवीत विग और हेल्थ सर्विसेस के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुनील कुमार विस्तारपूर्वक चर्चा कर रहे हैं। चर्चा में मेदांता के डॉ. त्रेहन ने बताया कि जैसे ही किसी भी कोरोना मरीज की आरटी-पीसीआर रिपोर्ट पॉजिटिव आती है, उसे तुरंत स्थानीय डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। सभी डॉक्टरों को प्रोटोकॉल के बारे में मालूम है और वे उसी के अनुसार, ट्रीटमेंट शुरू कर सकते हैं। अगर सही समय पर दवा दी जाए तो 90 फीसदी कोरोना मरीज घर पर ही ठीक हो सकते हैं। डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि 2020 नए वायरस को लेकर आया और हम सब तैयार नहीं थे। भारत सरकार ने अपनी ड्यूटी निभाते हुए टेस्टिंग को काफी तेज किया। हमें विश्वास होना चाहिए कि हमारी सरकार डॉक्टरों, माइक्रोबायोलॉजिस्ट, महामारी विज्ञानियों के सुझावों के साथ ठोस और वैज्ञानिक कदम उठाएगी। डॉ. सुनील कुमार ने आगे कहा, खबरों पर ज्यादा फोकस नहीं करें। सिर्फ सेलेक्टेड खबरें ही देखें। वॉट्सऐप यूनिवर्सिटी भी चल रही है। उस पर ध्यान नहीं दें। कोरोना के प्रोटोकॉल्स का ध्यान रखें।

डॉक्टरों, मीडिया और आपके द्वारा इनका पालन किया जाना चाहिए। वैक्सीन को लेकर चल रहीं तमाम तरह की अफवाहों से भी बचाने की डॉक्टर ने अपील की। डॉ. सुनील कुमार ने कहा, वैक्सीन पर कई तरह की अफवाहें उड़ रही हैं। कोई भी साइड इफेक्ट नहीं है। वायरस की चेन तोड़ने के लिए वैक्सीन और कोविड बिहेवियर काफी मददगार साबित होगा। डॉ. नवीत विग का कहना है कि अगर हमें बीमारी को हराना है तो फिर हमें हेल्थकेयर वर्कर्स को बचाना होगा। कई उसमें से पॉजिटिव हो रहे हैं। अगर हम हेल्थकेयर वर्कर्स को बचा सके तो वे मरीजों की जान बचा सकेंगे। अगर दोनों बचते हैं तभी हम अपनी इकॉनमी को भी बचा सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हमें वायरस की चेन को ब्रेक करना होगा। हमें मरीजों की संख्या को कम करना होगा। हमारा सिर्फ एक लक्ष्य होना चाहिए कि चेन को ब्रेक किया जाए। भारत में एक दिन में कोविड-19 के रिकॉर्ड 3,49,691 नए मामले आने के साथ ही संक्रमण के मामले बढ़कर 1,69,60,172 पर पहुंच गए जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 26 लाख के पार चली गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार को सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान संक्रमण के कारण 2,767 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 1,92,311 पर पहुंच गई है।

कोवैक्सीन निजी अस्पतालों को 1200 और राज्यों को मिलेगी 600 में

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना वैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने ऐलान किया है कि निजी अस्पतालों में कोवैक्सीन 1200 रुपये और राज्यों को 600 रुपये में दी जाएगी। वहीं, केन्द्र सरकार को यह वैक्सीन 150 रुपए में मिल रही है। विदेश में एक्सपोर्ट करने पर 1200 रुपए के अलावा 15 से 20 डॉलर एक्सपोर्ट ड्यूटी भी देनी होगी। दुनिया की सबसे सफल वैक्सीन में शामिल कोवैक्सीन की कीमतों का ऐलान हो गया है। पूर्व में सीरम इंस्टीट्यूट ने कोविशील्ड की कीमतों का ऐलान किया था। कोविशील्ड वैक्सीन राज्य सरकारों को 400 और निजी अस्पतालों के लिए 600 रुपए में मिलेगी। भारत में बनी कोवैक्सीन दुनिया के सबसे सफल वैक्सीन में से एक है। कोरोना के सभी वेरिएंट पर यह वैक्सीन असरदार है। डॉक्टरों का मानना है कि समय के साथ कोरोना का रूप बदला है। इसी वजह से उसके कई वेरिएंट सामने आए हैं। इसके बावजूद कोवैक्सीन सभी वैरिएंट पर असरदार है और लोगों कोरोना से बचाने में सक्षम है। वैक्सीन उत्पादक अपने कुल उत्पादन का आधा हिस्सा केन्द्र सरकार को देंगे और आधे हिस्से को राज्य सरकारों या प्राइवेट अस्पतालों को बेंच सकेंगे। इसी के साथ ही केन्द्र सरकार ने वैक्सीन उत्पादन करनी वाली दोनों कंपनियों से 1 मई से पहले अपनी कीमतें निर्धारित करने को कहा था। इससे पहले केन्द्र सरकार ने देश में ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए तीन महीने की अवधि (31 जुलाई 2021) के लिए ऑक्सीजन और इससे संबंधित उपकरणों के आयात पर मूल सीमा शुल्क और स्वास्थ्य सेस को पूरी तरह से हटा दिया था। इसके साथ ही देश में भी ऑक्सीजन के उत्पादन को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मालूम हो कि देश में कोरोना की दूसरी लहर को देखते हुए केन्द्र सरकार ने देश में वैक्सीनेशन में तेजी लाई है। भारत सरकार ने 1 मई से 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोगों को वैक्सीन लगवाने की अनुमति दे दी है। कई राज्यों ने इसके बाद सभी लोगों को मुफ्त में टीका लगवाने की घोषणा भी की है।

पीएम केयर्स फण्ड से सरकारी अस्पतालों में बनाये जाएंगे ऑक्सीजन के 551 प्लांट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना वायरस संकट के बीच देश में ऑक्सीजन को लेकर जारी हाहाकार के बीच केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने ऐलान किया है कि पीएम केयर्स फंड के जरिए देशभर के सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन बनाने वाले 551 पीएसए (प्रेशर स्विंग एडसॉर्प्शन) संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी का संकट गहराता जा रहा है। हर दिन ऑक्सीजन की कमी की वजह से कई लोगों की मौतें हो जा रही हैं। पीएमओ कार्यालय के मुताबिक, देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों और इसके मद्देनजर अस्पतालों में तेज होती ऑक्सीजन की मांग के मद्देनजर प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और आपात राहत कोष (पीएम केयर्स) से देश के विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य केंद्रों में 551 पीएसए चिकित्सीय ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों की स्थापना की जाएगी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को कहा कि पीएम केयर्स कोष ने इन संयंत्रों की स्थापना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी है। साथ ही प्रधानमंत्री ने इन संयंत्रों को जल्द से जल्द क्रियान्वित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इन संयंत्रों से जिला स्तर पर ऑक्सीजन की उपलब्धता को बल मिलेगा। इन संयंत्रों की स्थापना विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के जिला मुख्यालयों में चिह्नित अस्पतालों में की जाएगी और केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय यह काम करेगा। पीएम केयर्स कोष से इससे पहले से देश के विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य केंद्रों में 162 पीएसए चिकित्सीय ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों की स्थापना के लिए 201.58 करोड़ रुपये आवंटित किए थे।

गौरतलब है कि 27 मार्च 2020 को कोविड-19 महामारी जैसी किसी भी तरह की आपातकालीन या संकट की स्थिति से निपटने के प्राथमिक उद्देश्य से एक समर्पित राष्ट्रीय निधि की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और उससे प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए आपात स्थितियों में प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष (पीएम केयर्स फंड) के नाम से एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट बनाया गया था।

म्यांमार की जनता के साथ अब हिंसा न करे सैन्य शासन, आसियान की बैठक में उठाई गई मांग

जकार्ता। दस देशों के संगठन आसियान की बैठक में पांच बिंदुओं पर आम सहमति बनने के बाद अब हिंसाग्रस्त म्यांमार में शांति होने की उम्मीद जागी है। बैठक में शामिल हुए सैन्य शासन प्रमुख मिन आंग लाइंग इस बात के लिए राजी हैं कि जनता के साथ हिंसा नहीं होनी चाहिए, लेकिन उन्होंने स्पष्ट आश्वासन नहीं दिया। बैठक में मिन आंग ने अन्य बिंदुओं पर सहमति जताई है, लेकिन सीधे तौर पर किसी भी मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बैठक में सभी राजनीतिक बंदियों को रिहा करने के लिए भी कहा गया है। इस बैठक की अध्यक्षता ब्रुनेई के प्रतिनिधि ने की। आसियान के द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि पांच बिंदुओं पर सहमति बनी है। जनता के साथ हिंसा पर रोक लगेगी। सभी पक्षों के साथ सकारात्मक वार्ता होगी। आसियान का विशेष दूत नियुक्त होगा।

सभी पक्षों से वार्ता के लिए विशेष दूत म्यांमार भी जाएंगे। मानवीय सहायता भी दी जाएगी। मलेशिया के प्रधानमंत्री मुहिद्दीन यासीन ने कहा है कि म्यांमार ने हमारे हिंसा रोकने के प्रस्ताव को मान लिया है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सियन लूंग ने कहा कि मिन आंग ने बैठक में सकारात्मक सहयोग किया है। म्यामार सैन्य प्रमुख मिन आंग ने सभी बिंदुओं पर सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है। आसियान की इस बैठक में इंडोनेशिया, वियतनाम, सिंगापुर, मलेशिया, कंबोडिया और ब्रुनेई के नेता थे। इसके अलावा लाओस, थाइलैंड और फिलीपींस के विदेश मंत्री शामिल हुए। म्यांमार के लोकतंत्र समर्थक नेताओं की हाल ही में गठित राष्ट्रीय एकता सरकार ने आसियान में पांच बिंदुओं पर सर्वसम्मति का स्वागत किया है।

आर्मेनियाइयों की हत्या को बाइडन ने नरसंहार करार दिया, तुर्की को बड़ा झटका!

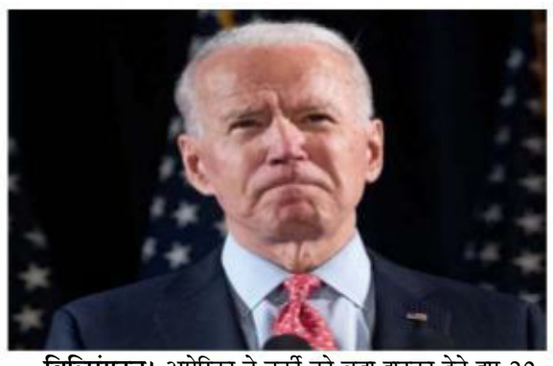

विल्मिंगटन। अमेरिका ने तुर्की को बड़ा झटका देते हुए 20 सदी में ऑटोमन साम्राज्य में लाखों आर्मेनियाई लोगों के मारे जाने को नरसंहार करार दिया है। तुर्की का निकट सहयोगी रहा अमेरिका दशकों से इन योजनाबद्ध हत्याओं पर मौन साधे था और कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था। राष्ट्रपति जो बाइडन की इस कड़ी प्रतिक्रिया से नाटो में उसके अकेले मुस्लिम सहयोगी देश तुर्की को बड़ा झटका लगा है। सन 1915 में शुरू हुए इस नरसंहार की निंदा करने का बाइडन ने अपने चुनाव प्रचार में वादा किया था। इसे उन्होंने आर्मेनियाई मूल के लोगों द्वारा मनाए जाने वाले वार्षिक यादगार दिवस के दिन पूरा किया।उनसे पहले के अमेरिकी राष्ट्रपति इस दिन मारे गए लोगों के प्रति श्रृद्धांजलि तो अर्पित करते थे लेकिन उन्होंने ऑटोमन साम्राज्य के लिए कभी कोई कड़ी बात नहीं कही थी। लेकिन बाइडन ने इस सिलसिले को खत्म करते हुए शनिवार को हत्याओं के लिए कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया और उसे नरसंहार की संज्ञा दी। एक अनुमान के अनुसार 20 वीं सदी के शुरुआती दशकों में हुए इस नरसंहार में करीब 15 लाख आर्मेनियाई लोगों को मार डाला गया था और 20 लाख लोगों को विस्थापित कर दिया गया था।

श्रीलंका में मिला स्ट्रेन अब तक का सबसे घातक कोरोना वायरस, हवा में बना रहता है एक घंटे

कोलंबो। भारत समेत पूरे विश्व में कोरोना संक्रमण के हालात पहले ही बेकाबू हो चुके हैं। ऐसे में एक और बुरी खबर यह है कि पड़ोसी देश श्रीलंका में कोरोना वायरस का एक नया स्ट्रेन मिला है जो अब तक का सबसे घातक है।

यह स्ट्रेन एयरबोर्न है जो हवा को संक्रमित करता है। यानी आप अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में नहीं भी आते हैं तो यह स्ट्रेन हवा में फैलकर भी आपको संक्रमित कर सकता है।

श्रीलंका की जयवर्देनापुरा यूनिवर्सिटी में इम्यूनोलिजी एंड मॉलिक्यूलर साइंसेज विभाग की प्रमुख नीलिका मालाविगे ने शनिवार को बताया कि यह स्ट्रेन बेहद आसानी से और बहुत तेजी से फैलता है। इसकी वजह यह है कि ये हवा में एक घंटे तक बना रहता है। उन्होंने बताया कि श्रीलंका में पाए गए अब तक के सभी वैरियंट में कोरोना का यह स्ट्रेन सबसे अधिक घातक और तेजी से फैलने वाला है। श्रीलंका के स्वास्थ्य प्रशासन को डर है कि नया स्ट्रेन पिछले हफ्ते नववर्ष समारोह से फैलना शुरू हुआ है। इसीलिए इसका सबसे अधिक संक्रमण युवाओं में अधिक फैला हुआ है। जनस्वास्थ्य इंस्पेक्टर उपल रोहाना का कहना है कि अगले दो-तीन हफ्ते में इस संक्रमण के फलने-फूलने से यह संक्रमण इतना अधिक फैल सकता है कि तीसरी लहर आ जाए।

मार्च 2022 में शंघाई से रवाना होगा 'वंडर ऑफ सीज'

दुनिया के सबसे बड़े जहाज की बुकिंग शुरू; यात्री क्षमता 7000, फैमिली सुईट का किराया 27 लाख

शंघाई। अगर आप क्रूज यात्रा के शौकीन हैं, तो दुनिया के सबसे बड़े जहाज के पहले यात्रियों में शामिल हो सकते हैं। मार्च 2022 से शंघाई से रवाना होने वाले क्रूज 'वंडर ऑफ द सीज' के पहले सफर के लिए बुकिंग शुरू हो गई है। रॉयल कैरेबियन इंटरनेशनल ने इसकी पहली तस्वीरें शेयर की है।

दो हजार से ज्यादा लग्जरी रूम वाले इस जहाज पर 6,988 यात्री सवार हो सकते हैं। इसका एक व्यक्ति का किराया डेढ़ लाख से लेकर साढ़े तीन लाख रुपए तक है, जबकि 4 लोगों के फैमिली सुईट के लिए करीब 27.5 लाख रुपए चुकाने होंगे। इसमें ओपन एयर एक्वा थिएटर के अलावा करीब 2000 पौधों वाला सेंट्रल पार्क भी बना हुआ है। क्रूज कंपनी रॉयल कैरेबियन इंटरनेशनल के मुताबिक यात्री मार्च 2022 से नवंबर 2022 के बीच शंघाई से जापान की पहली राउंड ट्रिप पर जा सकेंगे। 9 रातें और 8 दिन के इस सफर दौरान यह टोक्यो, माउंट फूजी, कुमामोटो, कागोशिमा, इशिगाकी और मियाजाकी जैसे पोर्ट से गुजरेगा। इसके अलावा यह एशिया के कुछ टॉप रेटेड जगहों के लिए भी सफर शुरू करेगा। इनमें दक्षिण कोरिया, वियतनाम भी शामिल हैं। नवंबर 2022 से जनवरी 2023 के दौरान क्रिसमस, न्यू ईयर और अन्य छुट्टियों को देखते हुए वियतनाम के चान मे, दक्षिण कोरिया के बुसान और जेजु के अलावा चीन के ताईपेई के लिए भी बुकिंग की जा सकती है। 10 मंजिला इस जहाज पर 18 डेक और 2867 स्टेटरूम्स यानी आलीशान सुईट्स हैं। इसकी लंबाई 1188 फीट चौड़ाई 210 फीट और वजन करीब 2.37 लाख टन है। इसमें पूल, स्पोर्ट्स जोन, जिम, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल कोर्ट के अलावा मिनी गोल्फ कोर्स भी है।

यरुशलम में हिंसा भड़की, फलस्तीनी उग्रवादियों ने इजराइल पर तीन दर्जन से ज्यादा रॉकेट दागे

यरुशलम। यरुशलम में हिंसा भड़की, फलस्तीनी उग्रवादियों ने इजराइल पर तीन दर्जन से ज्यादा रॉकेट दागेयरुशलम, एजेंसियां। यरुशलम में फलस्तीनियों और इजरायलियों के बीच हिंसा भड़कने के बाद संघर्ष बढ़ गया है। पिछले एक माह से शांत रही गाजा पट्टी पर फिर धमाके गूंजने लगे हैं। फलस्तीनी उग्रवादियों ने इजरायल पर शनिवार की रात तीन दर्जन से ज्यादा रॉकेट दागे। इजरायल ने भी जवाब में हमला किया। सेना ने कहा है कि फिलहाल गाजा पट्टी पर कोई सुरक्षा पाबंदी नहीं लगाई जा रही है। आमतौर पर यरुशलम में रमजान के महीने में तनाव बढ़ जाता है।

फलस्तीनी और इजरायली आमने सामने

तनाव ज्यादा बढ़ जाने पर दमिश्क गेट पर फलस्तीनी और इजरायली आमने सामने आ गए। दोनों के बीच संघर्ष हो गया। इसमें पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। बाद में फलस्तीनियों ने पुलिस पर पत्थरबाजी और हमला भी किया। यह हिंसा अन्य क्षेत्रों में फैल गई। बमों से हमले किए जाने लगे। इधर गाजा पट्टी में भी धमाके शुरू हो गए।

इजरायली विमानों ने भी हमले किए

रात भर में फलस्तीन उग्रवादियों ने इजरायल पर लगभग 36 रॉकेट दागे। सेना के अनुसार इजरायली विमानों ने भी जवाब में हमास के रॉकेट लांचरों पर हमले किए। इजरायल के अनुसार रॉकेट के हमलों में कोई जनहानि नहीं हुई है। छह रॉकेट बेकार कर दिए गए, अन्य खाली जमीन पर गिरे। सीरिया की तरफ से इजरायल पर पिछले गुरुवार तड़के दागी गई मिसाइल के कारण देश के टॉप सीक्रेट न्यूक्लियर रिएक्टर में सायरन बजने लगे। इजरायली सेना ने ने जवाबी कार्रवाई करते हुए सीरिया में स्थित मिसाइल लॉन्चर और एयर-डिफेंस सिस्टम पर हमला किया। हाल के दिनों में गाजा पट्टी की तरफ से भी इजरायल पर मिसाइलें दागी गई हैं। इसके जवाब में इजरायल ने गाजा पर नियंत्रण रखने वाले हमास के कई ठिकानों पर हमला किया।

फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन ने पेड जॉब कर इतिहास रचा

जिल की छवि हिलेरी, मिशेल, मेलानिया से अलग; फर्स्ट लेडी का रुतबा नहीं जतातीं, बेहद सहज हैं

वाशिंगटन। जिल बाइडेन अमेरिका की ऐसी प्रथम महिला हैं, जिन्होंने राष्ट्रपति की पत्नी होने से अलग बतौर टीचर अपनी अलग पहचान बनाई है। स्कूलों में बच्चों की समस्याएं जानना, सैनिकों के परिवारों से चर्चा करना और अस्पतालों में लोगों के दर्द को बांटते हुए वे सहज देखी जा सकती हैं। उनकी यह छवि उन्हें ज्यादा पारंपरिक दिखाती हैं।

हाल ही में जिल दक्षिण-पश्चिमी राज्यों में वैक्सीनेशन का डर मिटाने के लिए लोगों से मिलीं। उससे पहले उन्होंने जूम के जरिए वॉशिंगटन के कम्युनिटी कॉलेज में अंग्रेजी की क्लास ली। विश्लेषकों का कहना है कि जिल ने व्हाइट हाउस से बाहर पेड जॉब जारी रखकर वैसे भी इतिहास रच दिया है। वे नॉर्दन वर्जीनिया यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी की प्रोफेसर हैं। वे अपनी पूर्ववर्ती प्रथम महिलाओं हिलेरी क्लिंटन, मिशेल ओबामा या मेलानिया ट्रम्प जैसे काम करके चर्चा में नहीं आतीं। बल्कि अपने पति की तरह राजनीतिक सरगर्मियों को ठंडा रखने में विश्वास रखती हैं।

फोर्डहैम यूनिवर्सिटी में प्रो. मोनिका मैक्डरमॉट कहती हैं कि वे जमीन से जुड़ी हैं। वे फर्स्ट लेडी के प्रोटोकॉल का पालन जरूर करती हैं पर रुतबा नहीं दिखाती। उन्होंने हिलेरी की तरह आक्रामक तरीके नहीं अपनाएं जो अलोकप्रिय थे। वे मेलानिया की तरह दिखावा नहीं करतीं और मिशेल की तरह गंभीर मुद्दों पर चर्चाएं नहीं करतीं। चुनाव अभियान के दौरान भी वे प्रतिनिधियों से उनके परिवार और व्यक्तिगत मुद्दों पर बात करती थीं।

शिक्षक हूं और शिक्षक बने रहना ही पसंद: जिल

लेखिका कैट एंडरसन कहती हैं कि वे अलग हैं। वे महामारी की चिंता भी करती हैं, बच्चों को पढ़ाती भी हैं। वे पति के प्रोफाइल से परिभाषित नहीं होना चाहतीं। वे कहती हैं- 'मैं शिक्षक हूं और शिक्षक ही बने रहना पसंद है।'

कोविड के इंडियन वैरिएंट का डर

परमानेंट रेसिडेंट्स के भारत जाने पर रोक, अचानक बदले नियमों से बड़ा संकट

मेलबर्न। कोविड के भारतीय वैरिएंट की गाज ऑस्ट्रेलिया में रह रहे आशीष कुमार पर गिरी है। आशीष, उनकी पत्नी व दो बेटियों को मेलबर्न एयरपोर्ट से लौटा दिया गया। आशीष बीमार पिता की सेवा करने हैदराबाद आना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने न केवल नौकरी छोड़ दी, बल्कि अपना घर, गाड़ी, सामान सब बेच दिया है।

रात नौ बजे वह चेक इन करने पहुंचे तो एयरलाइन स्टाफ ने अनुमति नहीं दी। आशीष ने ढाई लाख रुपए में टिकट लिए, लेकिन लागू नियमों के चलते वह सड़क पर आ गए। कोरोना संक्रमण रोकने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल मार्च से अपने नागरिकों और परमानेंट रेसिडेंट्स की अंतरराष्ट्रीय यात्राओं पर रोक लगा दी थी। हालांकि परिवार में इमरजेंसी होने पर गृह विभाग की अनुमति से जाने की छूट थी।

इस बीच, भारत में संक्रमण बढ़ा तो ऑस्ट्रेलिया सरकार ने नियम बदल दिए। इससे पहले से मंजूरी ले चुके आशीष जैसे सैकड़ों लोग फंस गए। आशीष के पिता बीमार हैं दोनों बहनें अमेरिका में सेटल हैं।

थोप दीं बेहद कठिन शर्तें

अब भारत जाने की अनुमति उन्हीं लोगों को दी जाएगी जो कोरोना से लड़ने के लिए भारत की सहायता करने जा रहे हैं या ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रहित के लिए भारत जा रहे हैं। या कोई ऐसा व्यक्ति जिसे ऑस्ट्रेलिया में इलाज नहीं मिल रहा और वह भारत इलाज करवाने जा रहा है।

भारत में ऑक्सीजन की कमी: ग्रेटा थनबर्ग बोलीं-

हालात दुखी करने वाले, दुनिया को मदद करनी चाहिए; किसान आंदोलन पर ट्वीट से विवादों में आई थीं

स्वीडन। स्वीडन की क्लाइमेट एक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग ने भारत में ऑक्सीजन की कमी दिल दुखाने वाली घटना बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, दुनिया भर के देशों को आगे बढ़कर कोरोना से जूझ रहे भारत की मदद करनी चाहिए। दरअसल, दिल्ली समेत देश के कई राज्य कोरोना की दूसरी लहर के बीच मेडिकल ऑक्सीजन, बेड और दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं।

किसान आंदोलन को लेकर विवादों में आई थीं

ग्रेटा पिछली बार भारत में किसान आंदोलन के दौरान ट्वीट को लेकर विवादों में घिर गई थीं। उनके ट्वीट के साथ शेयर की गई टूलकिट को लेकर विवाद पैदा हो गया था। आरोप लगा था कि भारत विरोधी साजिश के तहत टूलकिट के जरिए अंतरराष्ट्रीय हस्तियों से ट्वीट करवाए गए, ताकि इस मामले को उभारा जा सके।

म्यूटेंट वैरिएंट वजह से बढ़ रहे मामले

एक्सपर्ट्स का मानना है कि कई म्यूटेंट वैरिएंट की वजह से भारत में कोरोना का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। कोरोना के नियमों के प्रति लोगों की लापरवाही के कारण भी स्थिति भयावह हुई है। रोजाना 3 लाख से ज्यादा केस आने के बाद अस्पतालों में बेड, दवा और ऑक्सीजन की भयंकर कमी पैदा हो गई है।

बीते दिन 3.48 लाख संक्रमित मिले

देश में रिकॉर्ड 3 लाख 48 हजार 979 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई। अब तक एक दिन में मिले संक्रमितों का ये आंकड़ा सबसे ज्यादा है। इस दौरान 2 लाख 15 हजार 803 लोगों ने कोरोना को मात भी दी। वहीं, मौत के आंकड़ों की बात करें, तो बीते दिन देश में 2761 लोगों ने कोरोना की वजह से दम तोड़ दिया।

स्वीडन की क्लाइमेट एक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग ने भारत में ऑक्सीजन की कमी दिल दुखाने वाली घटना बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, दुनिया भर के देशों को आगे बढ़कर कोरोना से जूझ रहे भारत की मदद करनी चाहिए।

विकराल हुए हालात, भारत का साथ देने के लिए अब अमेरिका ने बढ़ाया हाथ

वाशिंगटन। भारत में इस वक्त कोरोना की दूसरी लहर से सभी परेशान है। पिछले कई दिनों से एक दिन में 3 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारत को दुनिया के कई देशों का समर्थन भी मिल रहा है। फ्रांस के बाद अब अमेरिका की तरफ से भारत को हरसंभव मदद देने की बात कही गई है।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, महामारी द्वारा पैदा हुई विकराल स्थिति में अमेरिका, भारत के साथ खड़ा हैं। हम भारतीय सरकार के साथ मिल कर कार्य कर रहे हैं और भारत के हेल्थ वर्कर को अतिरिक्त सहायता प्रदान करेंगे। बता दें कि दुनिया में अमेरिका सबसे ज्यादा संक्रमित देश है। इसके बाद भारत का नंबर आता है।

ये देश भी सहयोग देने की बात कह चुके हैं

बता दें भारत में कोरोना से हालत बेहद खराब है। स्वास्थ्य तंत्र की बदहाली की खबरें लगातार आ रही हैं। हॉस्पिटल में बेड, दवाओं, इंजेक्शन, ऑक्सीजन की कमी से बड़ी

तादाद में लोगों की मौत की खबरे भी आ रही है। ऐसे में अब दुनिया के दूसरे देश भारत को मदद देने और एकजुटता जताने के लिए हाथ आगे बढ़ा रहे हैं। अमेरिका से पहले यूनाइटेड किंगडम, पाकिस्तान, फ्रांस,ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी देश भारत के संकट में सहयोग देने की बात कह चुके हैं।

92 गरीब देश वेटिंग में: दुनिया के 53फीसदी टीके अमीर देशों के पास, गरीब देशों की 60फीसदी आबादी को 2023 तक नहीं मिलेगी वैक्सीन

वाशिंगटन। कोरोना महामारी के कारण वैक्सीन को लेकर दुनिया तीन हिस्सों में बंट गई है। पहला हिस्सा ऐसे देशों का है जिनके पास अपनी आबादी से कई गुना अधिक डोज हैं, क्योंकि वो देश बहुत अमीर हैं। दूसरा हिस्सा ऐसे देशों का है जो मझधार में हैं यानी उनके पास इतने पैसे नहीं हैं कि वे अपने देश की पूरी आबादी के लिए डोज खरीद सकें। तीसरा हिस्सा ऐसे देशों का है जो बेहद गरीब हैं और उनके पास दूसरे देशों से वैक्सीन मांगने के अलावा कोई चारा नहीं है।

जहां तक बात अमीर देशों की है तो उन देशों ने दुनिया में बनने वाली वैक्सीन का 48 प्रतिशत हिस्सा अपने पास रख लिया है। इन देशों की आबादी दुनिया का महज 16 प्रतिशत है। इन देशों में अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश शुमार हैं। वहीं, मझधार में फंसे देशों में सर्बिया, ब्राजील और भारत जैसे देश हैं।

बेहद गरीब देशों की स्थिति वैक्सीन पाने के मामले में सबसे बुरी है। इनमें घाना, नाइजीरिया जैसे देश हैं। कुछ गरीब देशों में वैक्सीनेशन अभी शुरू ही हुआ है और कई में तो हुआ ही नहीं है। ड्यूक यूनिवर्सिटी के ग्लोबल हेल्थ इनोवेशन सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार अमीर देशों ने लगभग 53फीसदी वैक्सीन आपूर्ति बुक कर ली है। इसलिए 92 गरीब देश 2023 तक भी में अपनी आबादी के 60फीसदी का टीकाकरण नहीं कर पाएंगे।

टीकाकरण में इजरायल आगे, तंजानिया ने आस ही छोड़ी

अमीर देश; इजरायल में 60फीसदी लोगों को पहली डोज और 58फीसदी को दोनों डोज लग चुकीं। ब्रिटेन में 50फीसदी लोगों को पहली डोज और 16फीसदी से अधिक लोगों दोनों लग चुकीं। अमेरिका में 41फीसदी लोगों को पहली और 26फीसदी को दोनों डोज लग चुकीं हैं। वहीं, चिली में 41फीसदी को पहली और 29फीसदी लोगों को दोनों डोज लग चुकी हैं।

मझधार वाले देश; सर्बिया ने अपने यहां 27फीसदी लोगों तो दोनों डोज दे दी हैं। ब्राजील में महामारी से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है, वहां 12फीसदी कम आबादी वैक्सीन की डोज लगी है। सबसे बड़ा वैक्सीन निर्माता होने के बाद भी भारत में अभी तक 8फीसदी से कम लोगों को पहली डोज और 1फीसदी से कम को दोनों डोज लगी हैं।

गरीब देश; डब्ल्यूएचओ का लक्ष्य था कि सदस्य देश 20फीसदी टीके साल के अंत तक बांटें, लेकिन इसके पूरा होने में संशय है। घाना को फरवरी में टीके मिले थे, वहां महज 3फीसदी लोगों को टीका लगा। नाइजीरिया में 1फीसदी से कम लोगों को वैक्सीन लगी। दूसरी ओर तंजानिया जैसे देशों ने अब वैक्सीन की आस ही छोड़ दी है।

जापान: राजधानी टोक्यो समेत तीन प्रांतों में आपातकाल की घोषणा

जापान ने राजधानी टोक्यो सहित पश्चिमी क्षेत्र के तीन प्रांतों में कोरोना वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए तीसरे स्तर के आपातकाल की घोषणा की है। प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने टोक्यो, ओसाका, क्योटो और ह्योगो में 25 अप्रैल से 11 मई तक के लिए इस आपातकाल की घोषणा की है। ऐसे में ओलिंपिक खेलों के आयोजन पर संकट मंडरा रहा है। क्योंकि 23 जुलाई से 8 अगस्त के बीच जापान की राजधानी टोक्यो में समर ओलिंपिक होना है। वहीं विशेषज्ञों ने अर्ध-आपातकाल को नाकाफी बताते हुए तुरंत कड़े कदम उठाने की मांग की है।

दुनिया: कोरोना से 14.52 करोड़ संक्रमित, 8.96 लाख नए केस

दुनिया में कोरोनावायरस महामारी का संक्रमण तेजी से बढ़ता जा रहा है। पिछले 24 घंटे में दुनिया में रिकॉर्ड 8.96 लाख नए केस आए। यह एक दिन में मिलने वाले नए संक्रमितों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 22 अप्रैल को 8.92 लाख और 21 अप्रैल को 8.88 लाख संक्रमित मिले थे। बीते दिन दुनिया में 14,218 लोगों की जान गई। जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग के मुताबिक दुनिया में कोरोना के मामले बढ़कर 14 करोड़ 52 लाख 71 हजार 208 करोड़ हो गए हैं। कुल 30 लाख 83 हजार 235 मौत हुई हैं।

ऑक्सीजन की कमी पर एक्शन में केंद्र

देशभर के सरकारी अस्पतालों में 551 ऑक्सीजन प्लांट बनेंगे; पीएम केयर्स फंड का इस्तेमाल किया जाएगा

नई दिल्ली। देश में बढ़ती मेडिकल ऑक्सीजन की मांग को लेकर मोदी सरकार ने बड़ा फैसला किया है। इसके तहत देशभर में 551 ऑक्सीजन प्लांट बनेंगे। इनका निर्माण पीएम केयर्स फंड के जरिए सरकारी अस्पतालों में किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से बताया गया कि अस्पतालों में ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए पीएम केयर्स फंड ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में 551 डेडिकेटेड प्रेशर स्विंग ऐड्सॉर्प्शन मेडिकल ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट लगाने के लिए फंड के आवंटन की मंजूरी दे दी है।

बीते दिन पीएम ने की थी रिव्यू मीटिंग

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में ऑक्सीजन की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा के लिए मीटिंग की थी। उन्होंने इस पर जोर दिया था कि मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने के साथ घर और अस्पतालों में मरीजों की देखभाल के लिए जरूरी उपकरण भी उपलब्ध कराने की तुरंत जरूरत है।

उन्होंने सभी मंत्रालयों और डिपार्टमेंट्स को ऑक्सीजन और मेडिकल सप्लाई की उपलब्धता के लिए तालमेल से काम करने पर जोर दिया था। यह फैसला भी किया गया था कि 3 महीने के लिए ऑक्सीजन से जुड़ी वस्तुओं और उपकरणों के आयात पर बेसिक कस्टम ड्यूटी और हेल्थ सेस नहीं लगाया जाएगा। पीएम मोदी ने राजस्व विभाग को ऐसे उपकरणों के इंपोर्ट पर जल्द से जल्द कस्टम क्लीयरेंस देने के निर्देश दिए थे। यह फैसला भी लिया गया था कि कोरोना के टीकों के आयात पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को 3 महीने के लिए खत्म कर दिया जाए।

27 मार्च 2020 को भारत सरकार ने कोविड-19 से निपटने के लिए पीएम केयर्स फंड बनाया था। इसमें आम लोग अपनी इच्छा के मुताबिक डोनेट कर सकते हैं। इसमें चार सदस्य हैं- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण। इस फंड को खर्च करने की जिम्मेदारी इन्हीं पर होती है।

दिल्ली में ऑक्सीजन को लेकर मारामारी, जगह-जगह भटक रहे लोग

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में इजाफा जारी है। रोजाना कोरोना के रिकॉर्डतोड़ मामले सामने आ रहे हैं। इस कड़ी में 24 घंटे के दौरान दिल्ली में कोरोना के 24,103 नए मामले सामने आए, वहीं, 24 घंटे में दिल्ली में रिकॉर्ड 357 मौतें हुई हैं। इस बीच हालात के मद्देनजर सीएम अरविंद केजरीवाल ने आगामी 2 मई तक दिल्ली में लॉकडाउन बढ़ाने का एलान किया है। पूर्वी दिल्ली इलाके के शाहदरा जीटी रोड स्थित रिफिलिंग सेंटर पर ऑक्सीजन के लिए लोग धूप में लाइन लगाकर खड़े हैं। कई लोग तो ऐसे हैं जो सुबह से लाइन लगाकर खड़े हैं और अभी तक ऑक्सीजन के लिए नंबर नहीं आ रहा है।

अरविंद केजरीवाल ने बताया है कि ऑक्सीजन के प्रबंधन के लिए हमने एक पोर्टल बनाया है। उत्पादक से लेकर अस्पताल तक सब को हर दो घंटे में अपनी ऑक्सीजन की स्थिति बतानी होगी। केंद्र सरकार से काफी सहयोग मिल रहा है, केंद्र और दिल्ली सरकार मिलकर काम कर रही हैं। पूर्वी दिल्ली के विनोद नगर में रिफिलिंग सेंटर पर लोगों की लंबी कतार लग गई। अस्पतालों में ऑक्सीजन की किल्लत के चलते परिजन अपने मरीज के लिए खुद ही रिफिलिंग सेंटर से ऑक्सीजन का सिलेंडर भरवाकर लेकर जा रहे हैं।

दिल्ली में ठीक होने वालों का आंकड़ा भी बढ़ा

दिल्ली में नए मामलों में बढ़ोतरी होने के साथ औसतन रोजाना 20 हजार से अधिक मरीज ठीक भी हो रहे हैं। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो 19 अप्रैल से 23 अप्रैल के बीच दिल्ली में एक लाख से अधिक लोगों ने कोरोना वायरस संक्रमण को मात दी है। इनमें से लगभग 25 हजार मरीज गंभीर रूप से बीमार थे। यह राहत देने वाली बात है।

अस्पतालों में खत्म हो रही जीवन दायिनी आक्सीजन, प्रबंधन लगा रहा सरकार से मुहैया कराने की गुहार

नई दिल्ली। राजधानी के तमाम अस्पतालों में जीवन दायिनी आक्सीजन की कमी बनी हुई है। कभी कोई अस्पताल अपने यहां आक्सीजन की कमी बताकर शासन से उसे मुहैया कराने की मांग करता है तो कभी कोई अस्पताल। दिल्ली के अलावा एनसीआर के अस्पतालों में भी आक्सीजन की कमी देखने को मिल रही है। आलम ये हो गया है कि कुछ गैर सरकारी संस्थाओं को भी अब आक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए मदद करनी पड़ रही है। इंदिरापुरम के एक गुरूद्वारे के बाहर शुरू किया गया आक्सीजन लंगर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

तमाम जगहों पर आक्सीजन की कमी बनी हुई है। लोग आक्सीजन के लिए परेशान है। रविवार की सुबह भी कुछ अस्पतालों ने इंटरनेट मीडिया का इस्तेमाल करते हुए ये सूचना दी कि उनके पास मात्र कुछ घंटे की आक्सीजन बची हुई है। उनके यहां मरीज भर्ती है। यदि आक्सीजन नहीं मिलती है तो ऐसे मरीजों की जान पर आफत बन आएगी। पेंटामेड अस्पताल की ओर से बताया गया कि उनके पास सिर्फ 1.5 घंटे का मेडिकल ऑक्सीजन बचा है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से कहा गया कि हमारे पास सिर्फ 1.5 घंटे की ऑक्सीजन बची हुई है। यहां करीब 60 मरीज भर्ती हैं, जिनमें 10-11 मरीज वेंटिलेटर पर हैं। उनको बहुत ज्यादा ऑक्सीजन चाहिए। हम लगे हैं कि कहीं से भी ऑक्सीजन मिल जाए। यदि आक्सीजन नहीं मिलती है तो समस्या होगी।

जयपुर गोल्डन अस्पताल के डॉ.डीके सलूजा ने बताया कि उनके पास गैस तो पहुंची है मगर उस हिसाब से गैस नहीं पहुंच रही है। जितनी गैस की मांग की गई उस हिसाब से गैस नहीं मिली है। सुबह गैस मिली है जो शाम तक चल पाएगी। शाम को फिर आक्सीजन की कमी हो जाएगी। मेरठ से गैस आनी थी, वहां से आई मगर जितनी मात्रा मांगी गई थी उतनी नहीं। उन्होंने बताया कि जब कम आक्सीजन सप्लाई के बारे में जानकारी करने के लिए वेंडर को फोन किया गया तो उसका फोन बंद मिला।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों को भीषण गर्मी से राहत, पहाड़ों पर बर्फबारी का दिख रहा असर

नई दिल्ली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर दिल्ली के मौसम पर भी साफ नजर आ रहा है। न बादल छाए, न बारिश हुई लेकिन गर्मी से राहत बरकरार रही। इसीलिए आसमान साफ होते हुए भी अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान दोनों ही कम दर्ज किए गए। सुबह के समय भी गर्मी से राहत रही और दिन में भी। रविवार को भी दिल्ली का मौसम है और तापमान में ज्यादा बदलाव होने की उम्मीद नही है।मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 34.1 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से सात डिग्री कम 16.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 25 से 77 फीसद रहा। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में भी अधिकतम तापमान 33 से 36 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किय गया। लोधी रोड इलाके में अधिकतम तापमान 33.7, रिज इलाके में 35.5, जाफरपुर में 34.1, नजफगढ़ में 35.9 व नरेला में 35.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मध्यम श्रेणी में रही दिल्ली-एनसीआर की हवा

बदलते मौसम के साथ हवा की गुणवत्ता पर भी असर पड़ रहा है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली-एनसीआर की हवा मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई। नोएडा का हवा और साफ होकर संतोषजनक श्रेणी में पहुंच गई। अगले दो दिनों में भी हवा की गुणवत्ता मध्यम से खराब श्रेणी के बीच ही बने रहने की संभावना है।

कोरोना महामारी में निभा रहे अहम भूमिका एआईएफ के विमान, पहुंचा रहे ऐसे ऑक्सीजन टैंकर

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के दौरान भारतीय वायुसेना भी अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। आपको बता दें कि सुबह 2 बजे भारतीय वायुसेना का एक सी-17 ग्लोबमास्टर विमान उच्च क्षमता के क्रायोजैनिक ऑक्सीजन टैंकर लेने के लिए हिंडन एयर बेस (गाजियाबाद) से सिंगापुर के चांगी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ। आपको बता दें कि यह विमान सुबह 7 बजकर 45 मिनट पर सिंगापुर पहुंच गया। सी- 17 ग्लोबमास्टर विमान 4 खाली क्रायोजैनिक ऑक्सीजन कंटेनर लोड करने के बाद यह विमान सिंगापुर से पश्चिम बंगाल के पानागढ़ एयरबेस पर शाम 4 : 30 बजे तक पहुंच गया। आपको बता दें कि इन टैंकरों को ऑक्सीजन से भरकर देश के अलग -अलग

हिस्सों में भेजा जाएगा। बताया जा रहा है कि भारतीय वायुसेना का एक और सी - 17 विमान हिंडन बेस से सुबह 8 बजे पुणे एयरबेस के लिए रवाना हो गया। कोरोना महामारी में भारतीय वायुसेना भी अपना अहम भूमिका निभा रही है। आपको बता दें कि भारतीय वायुसेना के एक चिनूक हेलीकॉप्टर और एक एन - 32 सैन्य विमान ने कोविड टेस्टिंग उपकरण जम्मू से लेह और जम्मू से कारगिल तक पहुंचाया गया। आपको बता दें कि इस विमानों में बायो सेफ्टी कैबिनेट, सेन्ट्रीफ्यूज और स्टेप्लाइजर्स शामिल थे। बताया जा रहा है कि इन मशीनों को वैज्ञानिकों और औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा बनाया गया है। फाइल फोटो (सौजन्य से सोशल मीडिया) देश में कोरोना संक्रमण से लड़ने के लिए भारतीय वायुसेना इसमें पेशेवर तरीके से सभी उभरती हुई जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ा कदम उठा रही है। आपको बता दें कि प्राइवेट एयरलाइन्स, स्पाइसजेट ने भी 800 ऑक्सीजन कन्सट्रेटर्स हांगकांग से लेकर कोलकता पहुंचा है। इस ऑक्सीजन कन्सट्रेटर्स को देश के अलग - अलग हिस्सों में भेजा जाएगा।

यमुनापार में 24 घंटे में कोरोना ने ली 92 लोगों की जान

नई दिल्ली। यमुनापार में कोरोना संक्रमण तेजी से लोगों की जान ले रहा है। यहां पिछले 24 घंटे में कोरोना की वजह से 92 लोगों की मौत हुई है। कोरोना संक्रमित शवों के दाह संस्कार के लिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा निर्धारित किए गए अंत्येष्टि स्थलों और कब्रिस्तानों के आंकड़े बताते हैं कि इस महामारी की दूसरी लहर में एक दिन में मरने की यह संख्या सबसे ज्यादा है।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 24 घंटे में सीमापुरी शवदाह गृह में सबसे ज्यादा 56 कोरोना संक्रमित शवों को अंतिम संस्कार हुआ। गाजीपुर शवदाह गृह में 22 और कड़कड़डूमा शवदाह गृह में 13 संक्रमित शवों का दाह संस्कार किया गया। इसके अलावा मुख्य कालोनी स्थित कब्रिस्तान में एक कोरोना संक्रमित शव को दफनाया गया है। बता दें कि एक अप्रैल से शनिवार तक यमुनापार में कोरोना की वजह से 690 लोगों की मौत हुई है। कोरोना संक्रमण तेजी से लोगों की जान लील रहा है। जिसकी वजह से शवदाह गृहों में लकड़ी की किल्लत होने लगी है। पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने इस समस्या से निपटने के लिए तय किया है कि शवदाह गृहों पर गोबर के उपलों का उपयोग किया जाएगा। महापौर निर्मल जैन ने बताया कि नगर निगम और स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा संचालित शवदाह गृहों में गोबर के उपले उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लकड़ी के साथ गोबर के उपलों का उपयोग दाह संस्कार के लिए किया जाएगा। इस कदम से लकड़ी की आपूर्ति को लेकर हो रही दिकत को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के जज की मौतः फेफड़े में संक्रमण के चलते जस्टिस मोहन एम शांतनागोदर का निधन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस मोहन एम शांतनागोदर का देर रात निधन हो गया। 62 साल के जस्टिस शांतनागोदर ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में आखिरी सांस ली। कोर्ट के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। शांतनागोदर के फेफड़े में संक्रमण फैल चुका था। द्वष्ट में उनका इलाज चल रहा था। जस्टिस शांतनागोदर कोरोना वायरस से संक्रमित थे या नहीं, इसकी अभी पुष्टि नहीं हो पाई है।

कर्नाटक के रहने वाले थे जस्टिस शांतनागोदर

जस्टिस मोहन एम शांतनागोदर कर्नाटक के रहने वाले थे। 5 मई 1958 को कर्नाटक में उनका जन्म हुआ था। 5 सितंबर 1980 से उन्होंने वकालत की शुरूआत की थी। 17 फरवरी 2017 को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के तौर पर पदोन्नत हुए थे। इससे पहले वह केरल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस भी रहे।

मौलिक अधिकारों की रक्षा को लेकर दिया था फैसला: जस्टिस शांतनागोदर ने प्रमोशन में आरक्षण मामले की सुनवाई भी की थी। कर्नाटक हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस रहते हुए

उन्होंने कहा था कि प्रमोशन में आरक्षण तभी दिया जाए जब कर्मचारी उस पद लायक हो। इसके लिए परीक्षण होना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस शांतनागोदर ने कहा था कि ट्रायल कोर्ट और मजिस्ट्रेट को नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा की जिम्मेदारी उतनी ही है, जितनी इस देश की सर्वोच्च अदालत को है। उन्होंने कहा था कि ट्रायल कोर्ट जज और मजिस्ट्रेट को न सुने जाने लायक मामलों को शुरुआत में ही या ट्रायल से पहले ही निरस्त कर देना चाहिए, उसे सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचने का मौका ही नहीं दिया जाना चाहिए।

कोर्ट में एक ही मामले में एक ही पक्ष की ओर से एक ही आरोपी के खिलाफ अलग-अलग शिकायतों को लेकर भी जस्टिस शांतनागोदर ने सख्त आदेश दिया था। जस्टिस शांतनागोदर ने कहा था कि ऐसी शिकायतें अस्वीकार्य होनी चाहिए। एक ही मामले में एक ही आरोपी पर एक पक्ष की ओर से अलग-अलग शिकायतें मान्य नहीं होंगी।

सुप्रीम कोर्ट के 3 जज समेत 50त्न कर्मचारी कोरोना संक्रमित, सुनवाई अब वर्चुअलीः हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के 3 जज समेत 50फीसदी स्टाफ कोरोना संक्रमित हो गए थे। इसके बाद कोर्ट ने सभी जजों को वर्क फॉम होम करने और घर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई करने का फैसला लिया था। तब से अब सभी मामलों की सुनवाई वर्चुअली हो रही है।

केंद्र के कहने पर ट्विटर का एक्शन

कोरोना पर गलत जानकारी फैलाने वाले ट्वीट्स डिलीट, सरकार बोली- ये कार्रवाई हमारी आलोचना के लिए नहीं

नई दिल्ली। ट्विटर ने हाल ही में कई ऐसे ट्वीट्स डिलीट किए हैं, जिनके जरिए कोरोना पर भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही थी। ट्विटर प्रवक्ता ने रविवार को इसकी जानकारी दी है।

उन्होंने कहा कि अकाउंट्स को ब्लॉक नहीं किया गया है, उन्हें मेल के जरिए कार्रवाई की जानकारी दी गई है। सरकार ने कहा कि फेक न्यूज फैलाने के लिए ये एक्शन लिया गया है इसलिए नहीं कि हमारी आलोचना की जा रही थी।

ट्विटर ने बताया कि सरकार ने कई ट्वीट्स को लेकर आपत्ति जताते हुए कहा था कि कुछ लोग इसके जरिये फेक न्यूज फैला रहे हैं। इनमें मीडियानामा, कांग्रेस के लोकसभा सांसद रेवांत रेड्डी, बंगाल के मंत्री मोलोय घाटक, एक्टर विनीत कुमार सिंह और दो फिल्म मेकर्स के ट्वीट शामिल हैं।

ट्विटर ने कहा- गलत जानकारी को रोकना हमारी प्राथमिकता

ट्विटर ने कहा, 'हम कोरोना पर गलत जानकारियों को हैंडल कर रहे हैं। इसके लिए हम

प्रोडक्ट, टेक्नोलॉजी और ह्यूमन रिव्यू का इस्तेमाल कर रहे हैं और हमारी कोशिशें आगे भी जारी रहेंगी। ये हमारी प्राथमिकता है।

सरकार बोली- कई हैंडल 24 घंटे सिर्फ हमारी बुराई कर रहे हैं

उधर, सरकार ने ट्विटर के एक्शन पर कहा है कि इन अकाउंट्स पर एक्शन इसलिए नहीं लिया गया है, क्योंकि वो सरकार की कोविड के हालात को नियंत्रित करने की शैली की आलोचना कर रहे थे।बल्कि ये कदम इसलिए उठाया गया है, क्योंकि ये पुरानी तस्वीरों और गलत खबरों के जरिए जनता में अफवाहें और डर फैला रहे थे। सरकार ने कहा कि कई ट्विटर हैंडल 24 घंटे सरकार की आलोचना कर रहे हैं, पर हमने इन्हें ब्लॉक करने के लिए ट्विटर से नहीं कहा।

कोरोना काल में दिल्ली नगर निगमों के खाते खाली, केजरीवाल सरकार से मांगा 50 फीसद एडवांस अनुदान

नई दिल्ली। कोरोना संकट में निगमों की भी आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गई है। आलम यह है कि निगमों के पास अभी संसाधन जुटाने तक का फंड नहीं है। निगम विभिन्न कंपनियों को टेंडर के जरिए संसाधन जुटा रहे हैं, लेकिन अभी उनका भुगतान नहीं हो रहा है। कई जगह पर उधारी पर काम चल रहा है। इसको देखते हुए निगमों ने पहली तिमाही का फंड जो कि अक्सर मई माह के शुरुआत में आता है उसको निगम ने जल्द जारी करने की मांग दिल्ली सरकार से की है। इसके साथ ही बढ़ते हुए खर्च को देखते हुए दूसरी तिमाही का 50 फीसद अतिरिक्त पहली तिमाही में भी जारी करने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के तीनों नगर निगम (पूर्वी-उत्तरी और दक्षिणी) खराब आर्थिक हालातों से जूझ रहे हैं। आलम यह है कि निगम वेतन भी समय से जारी नहीं कर पा रहे हैं। दक्षिणी निगम की स्थिति पहले ठीक थी लेकिन अब उसकी भी हालत खस्ता हो चली है। यही वजह है कि तीन दिन पहले ही अधिकारियों को मार्च माह का वेतन मिला है। स्थिति इतनी खराब है कि अगले माह का वेतन का इंतजाम कैसे होगा यह अधिकारियों को नहीं पता। वहीं, उत्तरी निगम में वेतन का संकट बरकरार है। दक्षिणी निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोरोना संकट में सैनिटाइजर से लेकर, कोरोना प्रोटोकाल से जुड़ी वस्तुएं खरीदने का खर्चा बढ़ गया है।

गौतम गंभीर ने ऑक्सीजन के लिए सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखने पर केजरीवाल को घेरा, पूछा- आपने क्या किया?

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस बीच ऑक्सीजन की किल्लत भी मरीजों की परेशानी बढ़ा दी है। ऑक्सीजन की समस्या को लेकर दिल्ली में राजनीति भी गरमा गई है। पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमकर आलोचना की है। उन्होंने सीएम से पूछा दिल्ली में कोरोना से निपटने के लिए आपकी (केजरीवाल) योजना क्या थी? आपने एक वर्ष में कुछ भी क्यों नहीं किया? अब आप राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों को ऑक्सीजन के लिए पत्र रहे हैं। दिल्ली में आप आठ ऑक्सीजन संयंत्र लगाना चाह रहे थे उसका

क्या हुआ। गौतम गंभीर ने कहा कि 8 ऑक्सीजन प्लांट लगाने का सीएम केजरीवाल ने वादा किया था जिमसें से एक ही लगा है। उसका क्या हुआ? हाथ तो आपने पिछले साल भी खड़े कर दिए थे, इस साल भी कर रहे हैं और अगले साल भी करेंगे।भाजपा सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी भी विज्ञापन पर चल रहे हैं। इस समय उसी पैसे से लोगों की सेवा करने की जरूरत है।

इससे पहले अभी हाल में गौतम गंभीर ने सीएम केजरीवाल की निंदा करते हुए कहा था कि वह छह साल से मुख्यमंत्री हैं। वह विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं की बात करते थे। क्या दिल्ली में कोई ऐसा अस्पताल है जहां पर बेड उपलब्ध हो। गंभीर ने कहा कि दिल्ली में लोग कोरोना से परेशान हैं। केजरीवाल ने पिछले एक साल में इससे मुकाबले के लिए कुछ नहीं किया था। दरअसल केजरीवाल ने ऑक्सीजन की मांग को लेकर देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर मदद की गुहार लगाई थी। केजरीवाल ने कहा था कि अगर किसी के पास पर्याप्त मात्रा में आक्सीजन है तो वह दिल्ली की मदद करें। गौतम गंभीर ने कहा कि उन्होंने पूर्वी दिल्ली के लिए फेबीफ्लू दवा बांटने की शुरूआत की थी। अब पूरी दिल्ली में जिसको भी जरूरत है वो हमारे फाउंडेशन के कार्यालय पर आधार कार्ड और डॉक्टर की पर्ची लेकर आएं और मुफ्त में ले जाएं। बता दें कि फेबीफ्लू दवा इस समय कोरोना मरीजों के लिए भी इस्तेमाल की जा रही है। इसकी वजह से इसकी मांग बढ़ गई है।

किसान अपनी जिद पर अड़े, नहीं लगवा रहे वैक्सीन, रोजाना 100 लोग ले रहे दवा

नई दिल्ली। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर चल रहे आंदोलन को पांच माह का वक्त बीतने को है। पहले तो केंद्र सरकार के समक्ष आंदोलनकारियों की ओर से रखी गई मांगों को लेकर उनकी जिद शुरुआती दिन से ही बरकरार है, तो दूसरी ओर अब कोरोना के महासंकट के बीच इनकी टेस्टिंग और वैक्सीन भी एक तरह से चुनौती है। कई दिनों की लगातार कोशिश के बाद आखिरकार शनिवार को सात किसानों ने कोरोना से बचाव का टीका लगवाया। उम्मीद है कि अब वैक्सीनेशन में और भी आंदोलनकारी सहयोग करेंगे। यहां बीमारी भी बढ़ती जा रही है। रोजाना 100 किसान खांसी और जुकाम की दवा ले रहे हैं मगर वैक्सीन लगवाने के लिए उदासीनता बनी हुई है।

15 फीसद आंदोलनकारियों को है बुखार

आंदोलन स्थल पर डटे किसानों में से इस समय 15 फीसद बीमार हैं। इनको बुखार, खांसी-जुकाम की शिकायत है। यह स्थिति स्वास्थ्य विभाग के कैंपों में साफ दिखती है। सेक्टर-9 मोड़ पर विभाग की ओर से शुरूआत से ही मेडिकल कैंप चल रहा है। यहां पर रोजाना करीब 100 आंदोलनकारी दवा लेने के लिए आते हैं। इनमें से 15 बुखार पीड़ित मिलते हैं। जिला प्रशासन की ओर से 22 अप्रैल को टीकरी बार्डर पर बैठे आंदोलनकारियों के साथ बातचीत और उसमें डीसी व एसपी ने सभी से वैक्सीनेशन की अपील की थी। हालांकि टेस्टिंग के लिए तो अभी तक कोई भी तैयार नहीं है, मगर वैक्सीनेशन की अपील का असर होता नजर आ रहा है। रोजाना बॉर्डर पर दो जगहों पर सभाओं में आंदोलनकारियों का जुटना ही कोरोना संक्रमण फैलने के रिस्क को नहीं बढ़ा रहा है बल्कि दिक्कत इस बात को लेकर और ज्यादा है कि आंदोलनकारियों की भीड़ में से काफी लोग पंजाब जा रहे हैं और वापस आ रहे हैं। आंदोलनकारियों द्वारा लगातार उनके बीच कोरोना संक्रमण न होने का दावा किया जा रहा है, मगर स्वास्थ्य विभाग का तर्क है कि इसको लेकर तो स्थिति तभी साफ होगी, जब ये आंदोलनकारी अपना टेस्ट करवाएंगे।

संपादकीय

जब अमेरिका ने सबको डरा दिया

अमेरिका में चुनावी साल (राष्ट्रपति चुनाव) के किसी भी अन्य महीने की तरह मार्च, 2020 की शुरुआत हुई थी। यादातर अमेरिकी इस महीने की अपनी दो पसंदीदा गतिविधियों में मग्न थे। पहली, 3 मार्च के 'सुपर ट्यूजडे' (इस मंगलवार को यहां के यादातर राय अपनी प्राइमरी का चुनाव करते हैं) पर नजर बनाए रखना और दूसरी, कॉलेज बास्केट बॉल के मौजूदा सीजन के आखिरी मैचों का लुत्फ उठाना। भले ही इटली और स्पेन से कोविड-19 के कारण हो रही मौतें रोजाना खबरों में आ रही थीं, लेकिन यहां इस महामारी को आम जनमानस कोई खतरा नहीं मान रहा था। मगर जल्द ही हालात बदल गए। कोरोना वायरस के तेज प्रसार को देखते हुए तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 13 मार्च को राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की। फिर भी, इस मुल्क की क्या दशा हुई, इसे देश-दुनिया ने देखा। अगले 12 महीनों में अमेरिका लगभग तबाह हो गया। कोविड-19 ने 5.5 लाख से अधिक अमेरिकियों का जीवन छीन लिया और इसकी कुल आबादी का दसवां हिस्सा अब तक संक्रमित हो चुका है। इसने काफी आर्थिक चोट भी पहुंचाई। जब कोरोना चरम पर था, तब कुछ ही हफ्तों में लाखों अमेरिकियों ने अपनी नौकरी गंवाई और बेरोजगारी दर लगभग 15 फीसदी पर पहुंच गई। 'प्यू रिसर्च सेंटर' के मुताबिक, एक तिहाई वयस्क अमेरिकियों को पिछले साल बिल भुगतान में दिक्कतें आईं। कोरोना की वजह से अमेरिका का यह पतन पूरी दुनिया को प्रभावित कर गया, क्योंकि यह राष्ट्र वैश्विक अर्थव्यवस्था का अगुवा है। उत्तरी अमेरिका में तो उत्पादों के आयात-निर्यात का कारोबार 2019 की तुलना में 20 फीसदी से अधिक घट गया। अब कोविड-19 की पहली बरसी के बाद समाज वैज्ञानिक, डॉक्टर और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशषेज्ञ यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि अपनी स्वास्थ्य सेवाओं पर दुनिया भर में सबसे अधिक खर्च करने वाला अमेरिका आखिर कोरोना से इस कदर कैसे बर्बाद हो गया, जबकि इससे कम विकसित देश महामारी से बहुत यादा प्रभावित नहीं हुए? और क्या इसका इस तथ्य से वाकई कोई संबंध है कि विकासशील देशों में लोग साफ-सफाई को लेकर कुछ कम संजीदा रहते हैं, जिसके कारण कोविड-19 के खिलाफ उन्होंने प्रतिरोधक क्षमता तैयार कर ली थी? इन सवालों के ठीक-ठीक जवाब तो हमें शायद वर्षों बाद मिलें, लेकिन जो हम आज जानते हैं, वह यही है कि उचतम स्तर पर नेतृत्व की विफलता और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे की दशकों से उपेक्षा अमेरिका पर भारी पड़ गई। यादा संभावना तो इसी बात की है कि अगर 'ओवल ऑफिस' (राष्ट्रपति कार्यालय) में डोनाल्ड ट्रंप के अलावा कोई दूसरा शख्स होता, तो संभवत~ महामारी का यूं प्रसार न होता। जब संक्रमण बढ़ना शुरू हुआ था, तब ट्रंप दोबारा चुनाव लड़ने की तैयारियों में व्यस्त थे, जबकि 2020 की शुरुआत में ही जैसे-तैसे वह महाभियोग से बच पाए थे। वह उस अर्थव्यवस्था के आधार पर जनादेश हासिल करना चाहते थे, जिसे साल 2018 में बड़े पैमाने पर की गई कर कटौती के रूप में वह 'स्टेरॉयड' दे चुके थे। कर छूट से कुछ हद तक अमेरिकियों को जरूर लाभ मिला था, लेकिन इसका फायदा असमान रूप से अमीरों ने उठाया। यहां तक कि पश्चिमी यूरोप में कोरोना के कहर को देखने के बावजूद ट्रंप ने इसको कमतर आंका और दोबारा चयन की अपनी राह का इसे रोड़ा मानते रहे। महामारी के खिलाफ ओबामा-काल की सुरक्षा रणनीतियों को बेमानी साबित करने के लिए भी ट्रंप प्रशासन ने कोरोना के प्रबंधन को लेकर उदासीन रुख अपनाया। अमेरिका की तबाही का दूसरा कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे का कमजोर होना है। दशकों से सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर प्रगति और लगातार बढ़ती जीवन प्रत्याशा से अमेरिकियों को यह विश्वास हो चला था कि महामारियां अब अतीत की बातें हो गई हैं। यहां स्वास्थ्य सेवाओं के बंटवारे में भारी असमानताएं हैं, जो नस्ल व आय से बुरी तरह गुंथी हुई हैं। आलम यह है कि अल्पसंख्यक व गरीब अमेरिकी आज भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से दूर हैं। इसी कारण कोविड-19 ने इन वर्गों को यादा प्रभावित किया। 'सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन' ने बताया है कि असमानता, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, व्यवसाय, शिक्षा में अंतर, आमदनी और संपन्नता जैसे कारकों ने नस्लीय व जातीय अल्पसंख्यक समूहों के कोरोना से बीमार होने व मौत के खतरे को बढ़ाने में योगदान दिया। विडंबना यह है कि अमेरिका का चरित्र उग्र-व्यक्तिवाद और आला हुक्मरानों व केंद्रीय प्रतिष्ठानों की नाफरमानी के रूप में परिभाषित है। इसी कारण अमेरिकी समाज के एक बड़े वर्ग ने मास्क पहनने, शारीरिक दूरी का पालन करने और भीड़ से बचने जैसे एहतियाती उपायों को अपनाने से इनकार कर दिया। यहां तक कि फ्लोरिडा व टेक्सास जैसे रायों के गवर्नर अपने-अपने इलाकों में महामारी के प्रसार के बावजूद इसे अनदेखा करते रहे। हालांकि, इन सबके बीच कुछ अछी खबरें भी आईं। कोविड टीका बनाने में यह देश सबसे आगे रहा, और अब तक 20 फीसदी से भी अधिक अमेरिकियों को टीके की कम से कम एक खुराक तो मिल ही चुकी है। एक अन्य खुशखबरी यह है कि अमेरिका का नेतृत्व अब एक ऐसे राष्ट्रपति कर रहे हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य को गंभीरता से लेते हैं और महामारी के आर्थिक प्रभाव को भी बखूबी समझते हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व में अमेरिका हर रोज टीके की औसतन 24 लाख खुराक लोगों को लगा रहा है। इसी तरह, आर्थिक मोर्चे पर बाइडन ने 19 खरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज जारी किए हैं। यह राशि सीधे तौर पर कामगारों, छोटे व्यापारियों और सामाजिक व आर्थिक रूप से वंचित अल्पसंख्यकों की जेब में जाने वाली है। बेशक आज भी बहुत काम होने शेष हैं, लेकिन अब एकजुटता से प्रयास हो रहे हैं, जो पिछले राष्ट्रपति के समय राष्ट्रीय स्तर पर नहीं दिखे थे। इसमें कोई दो राय नहीं कि आज भी हालात अछे नहीं हैं, लेकिन अब उम्मीद नजर आने लगी है। महत्वपूर्ण यह भी है कि प्रशासन इस दिशा में खासा संवेदनशील है और इस महामारी से उबरने के लिए हरसंभव जरूरी कदम उठा रहा है। यह मौजूदा वक्त की सबसे जरूरी मांग थी।

प्रवीण कुमार सिंह

राष्ट्रीय समस्या बनता जा रहा सार्वजनिक स्थलों पर शोर, मानसिक सेहत के लिए भी खतरनाक

दिल्ली जैसे शहरों में शोर की मात्र कहीं यादा है, जहां ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम करने वाले कई कानून पिछले एक दशक से यादा समय से अस्तित्व में हैं। आवासीय इलाकों में ध्वनि की मात्र अधिकतम 55 डेसिबल, व्यापारिक इलकों में 65 डेसिबल और औद्योगिक क्षेत्रों में 75 डेसिबल होनी चाहिए, लेकिन हर जगह यह करीब 25 डेसिबल अधिक है। इस कारण कभी-कभी नौबत रोड रेज जैसी घटनाओं की भी आ जाती है। बहरहाल शांति का महत्व जानते हुए भी यह लापरवाही घातक है कि हम शोर को अपनी राष्ट्रीय पहचान बनने की छूट दे रहे हैं। ध्यान रखना होगा कि सिर्फ कानून ये हालात नहीं बदल सकते। लोगों की मानसिकता बदले बगैर शोर जैसी समस्या से निजात पाना नामुमकिन ही है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर उनके घर की तरफ नजदीकी मस्जिद से सुबह होने वाली अजान से नींद टूटने की समस्या का उल्लेख किया तो इस पर एक सकारात्मक जवाब मस्जिद की ओर से आया। प्रयागराज के कानपुर रोड स्थित लाल मस्जिद के मुतवल्ली रहमान ने कुलपति की परेशानी का समाधान करते हुए उनकी ओर के लाउडस्पीकर की दिशा बदल दी और आवाज भी 50 फीसद घटा दी। आम तौर पर ऐसे मामलों में अक्सर तीखी धार्मिक प्रतिक्रिया होती रही है और शोर को समस्या न मानकर उन मांगों को मजहबी रंग दिया जाता रहा है। यह अछा है कि इस बार ऐसा कुछ नहीं हुआ, लेकिन यह मामला अजान तक नहीं रुकना चाहिए। हर किस्म के धार्मिक जुलूसों के मामलों में भी यह होना चाहिए। शोर या कहें कि ध्वनि प्रदूषण हमारे देश में कितनी बड़ी समस्या है, इस पर हमारी नजर इसलिए नहीं जाती है, क्योंकि हममें से यादातर भारतीय इसके आदी हो चुके हैं। उन्हें यह स्वाभाविक लगता है। इसमें हर किस्म का शोर शामिल है। जैसे-सार्वजनिक जगहों पर तेज म्यूजिक बजाना, सड़कों पर वाहनों के हॉर्न बेवजह बजाना, अस्पतालों से लेकर लाइब्रेरी तक में लोगों को तेज आवाज में बातें करते देखना और कुछ न हो सके तो लाउडस्पीकर लगाकर तेज आवाज में धार्मिक आह्वान करना।

करीब चार साल पहले 2017 में बॉलीवुड के मशहूर गायक सोनू निगम ने भी कुछ ऐसी ही बातें अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखी थीं, लेकिन तब देखते ही देखते उन्हें तमाम धर्मगुरुओं ने उनके विवादित बयानों के लिए घेर लिया था। सोनू निगम ने लिखा था- मस्जिदों में रोज सुबह अजान के रूप में होने वाले शोर से हर रोज उनकी नींद खराब होती है। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया था कि उन्हें मंदिरों और गुरुद्वारों

में तेज आवाज में भक्ति गीत-संगीत बजाकर लोगों की सुबह की नींद खराब करने पर भी एतराज है।

धर्म के नाम पर किए जाने वाले हंगामे या शोर की ये तो बहुत छोटी-सी मिसालें हैं, लेकिन उल्लेखनीय है कि अब अक्सर हर धर्म-समुदाय से जुड़े धार्मिक जलसे-जुलूस में इतना आडंबर, हंगामा और शोर होता है कि उसकी कोई सीमा नहीं बची है। उस पर लगाम लगाने वाली हर कोशिश बेमानी ही साबित होती रही है। देखा जा रहा है कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न धार्मिक आयोजनों पर डीजे और लाउडस्पीकरों से होने वाला शोर बहुत यादा बढ़ गया है। और मामला धार्मिक होने के कारण ऐसे शोर को प्रतिबंधित करने की कोशिश को सही नजरिये से नहीं देखा जाता है। ऐसे में यदि कोई कानूनी कार्रवाई होती है तो बात काफी यादा बिगड़ने के हालात पैदा हो जाते हैं।

देखा जाए तो इसकी असली वजह हमारी जड़ हो चुकी मानसिकता है, जो किसी भी आयोजन में लोगों को शोर मचाने के लिए प्रेरित करती है। लोग यह स्वीकार ही नहीं कर पाते हैं कि हंगामा मचाए बगैर शांतिपूर्ण ढंग से भी कोई आयोजन हो सकता है। कभी लोग त्योहारों के नाम पर शोर मचाने की छूट चाहते हैं तो कभी जलसा या रैली करने के नाम पर। विभिन्न त्योहारों और नववर्ष या बर्थ-डे आदि की पार्टीयों में रात-रात भर लाउडस्पीकर अथवा दूसरे आधुनिक साउंड सिस्टम के जरिये शोर मचाया जाता है।

अक्सर यह कहकर ऐसे शोर को संरक्षण दिया जाता है कि खुशी के मौके पर इसकी छूट मिलनी ही चाहिए। इसके लिए लोग सारे नियमों-कायदों का सरेआम उल्लंघन करते हैं और गिरफ्तारी या जुर्माना सहना अपनी शान समझते हैं, पर ऐसा करते वक्त वे यह भूल जाते हैं कि यदि उन्हें अपने आयोजन में शोर मचाने की छूट है तो कुछ लोगों को शांति से अपने घर में रहने की आजादी भी इस देश के कानून ने दी है। कुछ साल पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन अपनी एक रिपोर्ट में बता चुका है कि शहरों में सुरक्षित शोर का स्तर 45 डेसिबल है। रिपोर्ट में यह उल्लेख भी किया गया था कि भारत के शहरों में यह स्तर औसतन 90 डेसिबल से यादा है। मुंबई को तो एक दफा दुनिया का तीसरा सबसे अधिक ध्वनि प्रदूषण वाला शहर बताया गया था और इसके ठीक बाद दिल्ली का नंबर था। अन्य महानगरों और छोटे शहरों में भी यह शोर कम नहीं है। इंसान की बनाई मशीनें, मोटर वाहन, ट्रेनें, हवाई जहाज और निर्माण कार्यो में विस्फोटकों के इस्तेमाल से असहनीय ध्वनियां वातावरण में फैल रही हैं। उन्हें रोकने को लेकर कोई उपाय कारगर साबित नहीं हो रहा है। शोर को समस्या नहीं मानने की एक अहम वजह है कि आम तौर पर लोग ध्वनि प्रदूषण को वायु प्रदूषण की तरह ही सेहत के लिए नुकसानदेह नहीं मानते। उन्हें वायु प्रदूषण के खतरे तो साफ दिखते हैं, लेकिन ध्वनि प्रदूषण के छिपे खतरों की तरफ उनका ध्यान तक नहीं जाता है। जबकि शोर एक बहुत बड़ा साइलेंट किलर है। सीमा से यादा शोर लोगों को सिर्फ बहरा नहीं बनाता, बल्कि उच रक्तचाप, नींद में खलल और कई अन्य मानसिक विकार भी पैदा कर डालता है। इससे शांत प्रवृत्ति के लोगों का व्यवहार भी हिंसक हो जाता है।

यहां तक कि गर्भस्थ शिशुओं को भी बाहरी शोर काफी यादा नुकसान पहुंचाता है। समयपूर्व प्रसव के लिए कई बार बाहरी शोर ही जिम्मेदार होता है। कहने को तो हमारे देश में पिछले कुछ दशकों में ऐसे प्रदूषण रोकने के लिए कुछ कायदे-कानून बनाए गए हैं, पर हमारी सरकारें नियम-कानून बनाकर ही अपने कर्तव्य की इतिश्री मान लेती हैं। इसलिए आजादी के बाद इस स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हो पाया है। वर्ष 2012 में केंद्रीय पर्यावरण मंत्रलय के तत्वावधान में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके तहत 25 बड़े शहरों में ध्वनि प्रदूषण की निगरानी के लिए एक नेटवर्क बनाने की बात कही गई थी। इस नेटवर्क में हर शहर में 10-10 निगरानी केंद्र बनाए गए, जो यह देखते हैं कि कहां कितना प्रदूषण है। फिर यदि अभी तक हमारे पास राजधानी दिल्ली को छोड़कर किसी भी शहर के बारे में अधिकृत आंकड़े नहीं हैं, क्योंकि देश में शोर को मापने की कोई व्यवस्था ठीक ढंग से काम कर ही नहीं रही है।

दिल्ली जैसे शहरों में शोर की मात्र कहीं यादा है, जहां ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम करने वाले कई कानून पिछले एक दशक से यादा समय से अस्तित्व में हैं। आवासीय इलाकों में ध्वनि की मात्र अधिकतम 55 डेसिबल, व्यापारिक इलकों में 65 डेसिबल और औद्योगिक क्षेत्रों में 75 डेसिबल होनी चाहिए, लेकिन हर जगह यह करीब 25 डेसिबल अधिक है। इस कारण कभी-कभी नौबत रोड रेज जैसी घटनाओं की भी आ जाती है। बहरहाल शांति का महत्व जानते हुए भी यह लापरवाही घातक है कि हम शोर को अपनी राष्ट्रीय पहचान बनने की छूट दे रहे हैं। ध्यान रखना होगा कि सिर्फ कानून ये हालात नहीं बदल सकते। लोगों की मानसिकता बदले बगैर शोर जैसी समस्या से निजात पाना नामुमकिन ही है।

देश के विकास से जुड़े मुद्दों को दलगत राजनीति के चश्मे से देखा जा रहा है

इन दिनों राष्ट्र के विकास और प्रगति से जुड़े मुद्दों को भी दलगत राजनीति के चश्मे से देखने का चलन जोर पकड़ रहा है। कोरोना संकट, किसानों की कठिनाइयां, महिलाओं के विरुद्ध अत्याचार या देश की सुरक्षा पर जरूरत तो यह है कि सभी पार्टियां दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विचार-विमर्श करतीं, लेकिन ये विषय भी राजनीतिक पूर्वाग्रह की भेंट चढ़ गए। यह प्रवृत्ति भारत के समग्र उत्थान के लिए खतरनाक है। दलगत राजनीति से अलग सोच रखने वाला सामान्य नागरिक इससे चिंतित है। भला किस देश में सेना द्वारा की गई 'सर्जिकल स्ट्राइक' का भी प्रमाण मांगा जाता है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि हमारा देश हिंदू-मुस्लिम आधार पर बंटा था। पाकिस्तान में गैर-मुस्लिमों के साथ जो कुछ हुआ, उसे सहकर जो लोग भारत आ सके, उन्हें भारत की नागरिकता मिलनी चाहिए, लेकिन राजनीतिक कारणों से आज कुछ लोग उसका भी विरोध कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में सत्तर साल पहले आमंत्रित कर लाए गए दलित समाज के मानवाधिकारों के लिए न तो कभी जुलूस निकाले गए, न ही मोमबत्तियां जलाई गईं।

सीएए का विरोध जिस ढंग से हुआ, वह सत्याग्रह तो कतई नहीं था। आज किसान आंदोलन की पटकथा लिखने वाले भी वही हैं जिन्होंने पूर्व में सीएए विरोधी आंदोलन को स्वरूप दिया था। इन्हें याद रखना चाहिए कि विश्व को सत्याग्रह की संकल्पना का पाठ पढ़ने वाले महात्मा गांधी ने चौरी-चौरा की हिंसक घटना के बाद अपने सहयोगियों की इच्छाओं के विरुद्ध जाकर आंदोलन स्थगित कर दिया था। केवल इसलिए कि सत्याग्रह दुराग्रह में परिवर्तित न हो। हालांकि किसान आंदोलन का सच अब उजागर हो चुका है। दिल्ली की सीमाओं पर डटे 'किसान' वे नहीं हैं, जो खेतों में फसल के साथ हैं। आंदोलन के प्रणेता आज बंगाल में जाकर लोगों को समझा रहे हैं कि वोट किसे नहीं देना है। यहां हितोपदेश की उस कथा की याद आती है कि चोला बदलने से जीवधारी की मूल प्रवृत्ति छुपाई नहीं जा सकती। यहां भी यही हो रहा है।

स्वार्थ की राजनीति में नैतिकता की अपेक्षा अब बेमानी लगती है। देखें तो कोरोना रणनीति की सफलता, टीकाकरण अभियान और उससे भी अधिक करीब 70 देशों को टीका पहुंचाना सारे विश्व में भारत और भारतीयों के लिए नए स्तर पर सम्मान अर्जित कर रहा है। यह 'सर्व भूत हिते रत~' का आधुनिक व्यावहारिक संस्करण है, जो भारत की प्राचीन संस्कृति की गरिमा और गहनता से ओत-प्रोत है। यदि राजनीतिक पूर्वाग्रह नहीं होते तो देश में भी आज हर तरफ इसकी प्रशंसा होती। विपक्ष भी गौरवान्वित होकर केंद्र सरकार की पीठ ठोंकता, मगर एक पूर्व मुख्यमंत्री ने भारत में बने टीके को भाजपा का टीका घोषित कर राजनीति के इतिहास में अपरिपक्वता और ईर्ष्या का नया उदाहरण जोड़ दिया। मुझे ऐसा कोई व्यक्ति नहीं मिला, जो इस प्रकार के कथन से सहमति रखता हो। कोरोना संघर्ष में भारत ने जो नीतिगत परिपक्वता और दूरदृष्टि दिखाई है, उसके प्रति प्रत्येक भारतीय के मन-मानस में संतुष्टि और उत्साह की भावना प्रखरता से उत्पन्न हुई है। सारा विश्व भारत की प्रशंसा कर रहा है। सामान्य नागरिक अपने विज्ञानियों पर गर्व कर रहा है।

यह देश का दुर्भाग्य है कि इस समय देश में एक ऐसा वर्ग एकजुट हो रहा है, जो केवल नकारात्मकता उजागर करने में ही अपना भविष्य देखता है। जब कोई व्यक्ति, समूह या राजनीतिक दल स्वार्थवश राष्ट्र की गरिमा और स्वाभिमान को भी नकारने लगता है तथा चुनाव और सत्ता के आगे नहीं देख पाता है, तब ऐसे वक्तव्य सामने आते हैं। ऐसे लोग ही टीकाकरण के विरुद्ध अफवाहें फैलाने और शंकाओं का निर्माण करने जैसे अमानवीय कृत्य करते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही देश के विभिन्न समूहों में एक-दूसरे के प्रति आज जितना अविश्वास व्याप्त हो गया है, उतना पहले शायद ही कभी रहा था। कोरोना महामारी में भारत विश्व-पटल पर और अधिक बड़ी भूमिका निभा सकता था, यदि कुछ कुछ गिने-चुने विघ्न-संतोषी प्रजातंत्र की आत्मा को समझने का प्रयास करते और सत्ता पक्ष-विपक्ष के सम्मिलित उत्तरदायित्व को निभाने की क्षमता रखते।

पारस्परिक आचार, विचार और व्यवहार की जो विरासत भारत और भारतीयों को अपने स्वतंत्रता सेनानियों से मिली, वह अद्भुत और अद्वितीय थी। इसमें उनके प्रति भी सदा सम्मान तथा शालीनता बनाए रखी गई, जिनके विरुद्ध संघर्ष छेड़ा गया था, जिनके साथ वैचारिक मतभेद था। स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी नेताओं के मध्य अनेक प्रकार के मतभेद लोगों के सामने आ जाते थे, लेकिन पारस्परिक अशालीनता के कोई प्रकरण ढूंढने से भी नहीं मिलते थे। भारत की स्वतंत्रता के बाद के शुरुआती दशकों में कभी भी पक्ष या विपक्ष के किसी नेता द्वारा अपने विरोधी के लिए चोर, कायर, डरपोक, बोटी-बोटी काटने जैसे अस्वीकार्य अपशब्दों का प्रयोग न तो सुना, न देखा, न पढ़ा गया। 13 जुलाई, 1955 को पं. नेहरू यूरोप तथा तत्कालीन सोवियत संघ की यात्रा के बाद जब लौटे तो उनके विरोध के बावजूद राष्ट्रपति बने डॉ. राजेंद्र प्रसाद सारी परंपरा तोड़ते हुए उन्हें लेने हवाई अड्डे चले गए। इसी तरह गांधी जी से मतभेद के कारण नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, पर वह जहां भी रहे, गांधी जी का परिचय 'वह मेरे राष्ट्रपिता हैं' कहकर देते रहे। जब नेताजी के देहांत की दुखद खबर आई तो गांधी जी ने एक संवेदना संदेश में उनकी दिल खोलकर प्रशंसा की।

नाम की दिल्ली सरकार

एनसीटी ऑफ दिल्ली (अमेंडमेंट) बिल, 2021 बुधवार 24 मार्च को राज्यसभा से भी पास हो गया। लोकसभा ने इस पर 22 मार्च को ही मुहर लगा दी थी। इस बदलाव का मकसद दिल्ली सरकार को पूरी तरह उप-राज्यपाल के अधीन कर देना है। अपने हर फैसले पर दिल्ली सरकार को उनकी राय लेनी पड़ेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का आरोप है कि यह कानून उनकी सरकार को दबाने के लिए बनाया जा रहा है। यादातर विपक्षी दलों की भी यही राय है। इसीलिए रायसभा में 12 विपक्षी दलों ने विधेयक का विरोध किया, जबकि नौ ने लोकसभा में इसके खिलाफ आवाज उठाई थी। विपक्ष का कहना है कि यह कानून देश की संघीय शासन व्यवस्था की नींव पर चोट करता है और असंवैधानिक है। लेकिन बीजेपी के मुताबिक, इसका मकसद संविधान के दायरे के अंदर रहते हुए दिल्ली सरकार और उप-रायपाल की शक्तियों को लेकर भ्रम की गुंजाइश खत्म करना है ताकि राजकाज में कोई दिक्कत न आए। इसके लिए उसने 2018 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया है, जिसमें उसने कहा था कि दिल्ली सरकार को रोजमर्रा के काम के लिए उप-रायपाल से सहमति लेने की जरूरत नहीं है।बीजेपी कह रही है कि इस फैसले से जो अनिश्चितता और भ्रम बना, उसे खत्म करने के लिए उसकी सरकार को यह कानून बनाना पड़ रहा है। उस वक्त दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच शक्तियों को लेकर टकराव चल रहा था, इसलिए मामला सुप्रीम कोर्ट गया। यह भी सच है कि उस फैसले से दिल्ली सरकार के अधिकार सीमित हुए थे।

लेकिन तब से अबतक दोनों सरकारों के बीच ऐसा कोई मसला नहीं दिखा है, इसलिए पूछा जा रहा है कि केंद्र को अचानक यह कानून क्यों बनाना पड़ा? कुछ लोग इसे दिल्ली के जनादेश का अपहरण भी बता रहे हैं, क्योंकि उससे निकली सरकार की जवाबदेही अब जनता से यादा उप-रायपाल के प्रति होगी। केंद्र के इस कानून से दिल्ली को पूर्ण राय का दर्जा देने-दिलाने का मामला अर्थहीन हो गया है। ध्यान रहे, यह वादा दिल्ली की तीनों प्रमुख पार्टियां- आम आदमी पार्टी, बीजेपी और कांग्रेस हर चुनाव में करती आई हैं। दूसरे, संघीय व्यवस्था पर चोट की जो बात विपक्ष ने कही है, वह भी बेवजह नहीं है।

बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए के सत्ता में आने के बाद से यह सवाल अक्सर उठता रहा है। केंद्र और विपक्ष शासित रायों के बीच अधिकारों को लेकर टकराव भी हो रहे हैं। विपक्ष शासित रायों ने केंद्र पर सीबीआई और एनआईए जैसी अपनी एजेंसियों के जरिये उनके कामकाज में अड़ंगा लगाने की बात कही है जबकि केंद्र ने करप्शन मामलों की जांच में एजेंसियों के साथ सहयोग न करने का आरोप उनपर लगाया है। ऐसे में एनसीटी बिल के बाद सत्तारूढ़ बीजेपी और विपक्ष के बीच टकराव और तीखा होगा,

क्वाड के जरिये भारत हिंद महासागर में चालबाज चीन को कर सकता है कमजोर

रूस की दृष्टि में भारत का इस समूह में शामिल होना अनैतिक है। दरअसल रूस को लगता है कि आगे चलकर क्वाड उसके लिए भी हिंद प्रशांत क्षेत्र में खतरा साबित हो सकता है। अमेरिका और रूस एक-दूसरे के विरोधी हैं। चूंकि क्वाड पर नियंत्रण अमेरिका का भी रहेगा और समय के साथ उसका प्रभुत्व बढ़ भी सकता है। ऐसे में भारत यदि रूस के विपरीत खेमे का हिस्सा बनता है तो हिंद प्रशांत में जो रूसी बेड़ा है उसके लिए भी खतरा हो सकता है। हालांकि यहां रूस की शंका वाजिब नहीं है, क्योंकि भारत कभी भी रूस विरोधी गतिविधि में शामिल होने की सोच भी नहीं सकता है।

विदेश नीति एक निरंतरशील प्रक्रिया है और प्रगतिशील भी, जहां विभिन्न कारक भिन्न-भिन्न स्थितियों में अलग-अलग प्रकार से देश-दुनिया को प्रभावित करते रहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर नए-नए मंचों की न केवल खोज होती है, बल्कि व्याप्त समस्याओं से निपटने के लिए विभिन्न देशों में एकजुटता को भी ऊंचाई देनी होती है। क्वाड का इन दिनों वैश्विक फलक पर उभरना इस बात को पुख्ता करता है। क्वाड (क्वाडिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग) भारत समेत जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका का एक चतुष्कोणीय समझौता है। इसका उद्देश्य हिंद प्रशांत क्षेत्र में काम करना है, ताकि समुद्री रास्तों से होने वाले व्यापार को आसान किया जा सके। मगर एक सच यह भी है कि अब यह व्यापार के साथ-साथ सैनिक बेस को मजबूती देने की ओर भी है। ऐसा इसलिए ताकि शक्ति संतुलन को कायम किया जा सके। हालांकि इन चारों देशों की अपनी प्राथमिकताएं हैं और आपसी सहयोग की सीमाएं भी।

समय के साथ उसका प्रभुत्व बढ़ भी सकता है। ऐसे में भारत यदि रूस के विपरीत खेमे का हिस्सा बनता है तो हिंद प्रशांत में जो रूसी बेड़ा है उसके लिए भी खतरा हो सकता है। हालांकि यहां रूस की शंका वाजिब नहीं है, क्योंकि भारत कभी भी रूस विरोधी गतिविधि में शामिल होने की सोच भी नहीं सकता है। दरअसल क्वाड केवल चीन को ध्यान में रखकर बनाया गया एक औपचारिक संगठन है। और शायद भारत इसके अलावा किसी और रूप में क्वाड को देखता भी नहीं है, पर शंका समाप्त करने के लिए इस मामले में भारत को रूस से खुलकर बात करनी चाहिए। और संदेह समाप्त करने में देरी भी नहीं करनी चाहिए।

भारत के क्वाड में होने से जहां पड़ोसी चीन की मुश्किलें बढ़ी हैं वहीं रूस भी थोड़ा असहज महसूस कर रहा है, पर दिलचस्प यह है कि ब्रिक्स में भारत इन्हीं के साथ एक मंचीय भी होता है। गौरतलब है कि ब्रिक्स पांच देशों का एक समूह है जिसमें भारत के अलावा रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। इन्हें विकसित और विकासशील देशों के पुल के तौर पर देखा जा सकता है। रूस भारत का नैसर्गिक मित्र है और चीन नैसर्गिक दुश्मन। जाहिर है क्वाड से हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका बढ़ेगी। इससे भारत को चीन को संतुलित करने में मदद मिलेगी। मगर भारत के सामने रूस को साधने की भी चुनौती कमोबेश रहेगी। हालांकि रूस यह जानता है कि भारत कूटनीतिक तौर पर एक खुली नीति रखता है। यह दुनिया के तमाम देशों के साथ बेहतर संबंध का हिमायती रहा है। भारत पाकिस्तान और चीन से भी अछे संबंध चाहता है। वह जितना अमेरिका से अछे संबंध बनाए रखने का इरादा दिखाता है उससे कहीं अधिक रूस के साथ नाता जोड़े हुए है। इसके अलावा सार्क, आसियान, ओपेक और पश्चिम के देशों समेत अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिका के देशों के साथ उसके रिश्ते कहीं अधिक मधुर हैं।

चीन द्वारा क्वाड समूह को दक्षिण एशिया के नाटो के रूप में संबोधित किए जाने से उसकी चिंता का अंदाजा लगाया जा सकता है। उसका आरोप है कि उसे घेरने के लिए यह एक चतुष्पक्षीय सैन्य गठबंधन है। चीन क्वाड देशों के बीच व्यापक सहयोग को लेकर बन रही समझ से कहीं अधिक चिंतित है। हालांकि इसकी जड़ में चीन ही है। दरअसल क्वाड समूह का प्रस्ताव सबसे पहले साल 2007 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो एबी ने रखा था, जिसे लेकर भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने समर्थन किया था। उस दौरान दक्षिण चीन सागर में चीन ने अपना प्रभुत्व दिखाना शुरू किया था। दुनिया के नियमों को ताख पर रख कर चीन इस क्षेत्र पर अपनी मर्जी चलाने लगा था। भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया का सामुद्रिक व्यापार इसी रास्ते से होता है। यहां से प्रतिवर्ष पांच लाख टिलियन डॉलर का व्यापार होता है। हालांकि इस दौरान क्वाड का रवैया आक्रामक नहीं था। चीन की चिंता यह भी है कि क्वाड एक नियमित सम्मेलन स्तर का मंच बनने जा रहा है। उधर आसियान देश भी दबी जुबान चीन का विरोध करते हैं, पर खुलकर सामने नहीं आ पाते। दक्षिण कोरिया भी दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी से काफी खफा रहा है। अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर का सिलसिला अभी थमा नहीं है। कोरोना वायरस के चलते भी चीन दुनिया के तमाम देशों के निशाने पर है। जाहिर है क्वाड के जरिये भारत हिंदू महासागर में उसे कमजोर कर सकता है। साथ ही हिंदू प्रशांत क्षेत्र में भी अपनी भूमिका बढ़ा सकता है। यही चीन की बौखलाहट का प्रमुख कारण है। रूस की दृष्टि में भारत का इस समूह में शामिल होना अनैतिक है। दरअसल रूस को लगता है कि आगे चलकर क्वाड उसके लिए भी हिंद प्रशांत क्षेत्र में खतरा साबित हो सकता है। अमेरिका और रूस एक-दूसरे के विरोधी हैं। चूंकि क्वाड पर नियंत्रण अमेरिका का भी रहेगा और समय के साथ उसका प्रभुत्व बढ़ भी सकता है। ऐसे में भारत यदि रूस के विपरीत खेमे का हिस्सा बनता है तो हिंद प्रशांत में जो रूसी बेड़ा है उसके लिए भी खतरा हो सकता है। हालांकि यहां रूस की शंका वाजिब नहीं है, क्योंकि भारत कभी भी रूस विरोधी गतिविधि में शामिल होने की सोच भी नहीं सकता है। दरअसल क्वाड केवल चीन को ध्यान में रखकर बनाया गया एक औपचारिक संगठन है। और शायद भारत इसके अलावा किसी और रूप में क्वाड को देखता भी नहीं है, पर शंका समाप्त करने के लिए इस मामले में भारत को रूस से खुलकर बात करनी चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सहरसा में बन रहा कोसी क्षेत्र का पहला पावरग्रिड

पटना, (एजेंसी)। बिहार के कोसी क्षेत्र के सहरसा जिले में बन रहे पहले पावरग्रिड का काम अब मई अंतिम तक पूरा होगा। जिले के सिहौल गांव में बन रहे 1400 एमवीए क्षमता वाले पावरग्रिड के तय समय में काम पूरा होने में कोरोना संक्रमण बाधक बन गया है। कोरोना संक्रमण की भयावहता को देखकर टेस्टिंग के लिए मुंबई और चेन्नई से विशेषज्ञ नहीं आ रहे हैं। मजदूर भी काम करने से परहेज करने लगे हैं। पावरग्रिड का काम पूरा करने का लक्ष्य 31 मार्च ही निर्धारित किया था।

पावरग्रिड मिथिलांचल ट्रांसमिशन लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक पंकज कुमार सिंह का कहना है कि सिहौल गांव स्थित सहरसा उपकेंद्र का काम पूरा करने की समय अवधि अब मई अंतिम निर्धारित की गई है। कोरोना के कारण मुंबई और चेन्नई से टेस्टिंग करने के लिए विशेषज्ञ नहीं आ पा रहे। कार्यस्थल पर सात व्यक्ति कोरोना संक्रमित हो गए हैं। कोरोना संक्रमण का तेज प्रसार को देखते हुए कई मजदूर काम करने से परहेज करने लगे हैं। जिससे काम की गति धीमी हुई है। कोरोना के कारण महत्वाकांक्षी लीलो परियोजना की गति भी धीमी हुई है।

पावरग्रिड मिथिलांचल ट्रांसमिशन लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक का दावा है कि लीलो परियोजना को निर्धारित समय मई माह में ही पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण लीलो परियोजना की गति धीमी जरूर हुई है, लेकिन विद्युतीकरण का काम सहरसा जिले के रहुआ तुलसियाही तक पूरा कर लिया गया है। उपकेंद्र तक पहुंचने में मात्र 6 से 7 किलोमीटर की दूरी में काम शेष है। उल्लेखनीय है कि लीलो परियोजना सिहौल गांव स्थित सहरसा उपकेंद्र को 400 केवी वाले दरभंगा-किशनगंज पारेषण लाइन से जोड़ेगी। जिसमें सहरसा उपकेंद्र को पटना और किशनगंज की चार लाख वोल्ट लाइन से जोड़ेगी। लीलो परियोजना पर 100 करोड़ राशि खर्च किए जा रहे हैं और इसका काम बहुराष्ट्रीय कंपनी चेन्नई की एलएंडटी को दिया गया है। पावरग्रिड मिथिलांचल ट्रांसमिशन लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक ने कहा कि सहरसा पावरग्रिड और लीलो परियोजना का काम पूरा होने के बाद सहरसा उपकेंद्र नेशनल ग्रिड से जुड़ जाएगा। सहरसा उपकेंद्र में अगर कोई तकनीकी खराबी या आपूर्ति ठप हो गई तो भी जिलों को दी जाने वाली बिजली वितरण व्यवस्था बंद नहीं होगी। पटना, दरभंगा और किशनगंज लाइन से बिजली आपूर्ति बहाल रहने का विकल्प मौजूद रहेगा। कोसी क्षेत्र और उत्तर बिहार की बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुव्यवस्थित होने के साथ लो वोल्टेज व पावरकट की समस्या दूर होगी। इन परियोजनाओं के अमल में आने के बाद भूटान और सिक्किम से सस्ती बिजली मिल पाएगी। कोसी क्षेत्र का सबसे बड़ा पावरग्रिड बिजली का जंक्शन प्वाइंट होगा।

श्रीनगर में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए लगाए कर्फ्यू के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा।

भगवान जगन्नाथ मंदिर में भक्तों के प्रवेश पर 15 मई तक रोक

भुवनेश्वर। ओडिशा में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि को देखते हुए श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने 12वीं शताब्दी के इस मंदिर में भक्तों के प्रवेश पर 15 मई तक के लिए रोक लगा दी। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक कृष्ण कुमार ने एक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा कि हालांकि, इस दौरान भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा, और भगवान जगन्नाथ के दैनिक अनुष्ठान सेवादारों और मंदिर प्राधिकारियों की मदद से जारी रहेंगे। बैठक में मंदिर के सेवादारों के प्रतिनिधियों के अलावा, पुरी जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक और अन्य हितधारकों ने हिस्सा लिया। सेवादारों और मंदिर के प्राधिकारियों के परिवारों की नियमित स्क्रीनिंग और जांच करने का भी निर्णय लिया गया। यह भी तय किया गया कि रथों के निर्माण की सभी तैयारियां परंपरा अनुसार जारी रहेंगी।

कोरोना में सिफारिश, पैसा सब है पर लेकिन इलाज नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में यूपी हो या बिहार, दिल्ली हो या महाराष्ट्र चारों तरफ से कोरोना काल में लाचारी की तस्वीरें सामने आ रही हैं। कोई पैसों के अभाव में अपनोंको नहीं बचा पाया तो किसी के पास पैसा और पावर सब था, मगर इलाज नहीं मिलने से उसका संसार खत्म हो गया। कोरोना की दूसरी लहर में स्थिति कितनी विकराल हो चुकी है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक शख्स पिता की अस्थियां विसर्जित कर मां को देखने जाता है तो उसके हाथ में डॉक्टर डेथ सर्टिफिकेट थमा देते हैं। चलिए जानते हैं ऐसी हृदयविदारक घटनाओं को, जिससे यकीन हो जाएगा कि इस कोरोना ने कैसे लोगों को लाचार बना दिया है। गाजियाबाद के गोविंदपुरम निवासी कोरोना संक्रमित शशि शर्मा (52) के परिजनों के पास पैसा, सिफारिश सबकुछ था, नहीं था तो सिर्फ इलाज। शशि के परिजन अस्पताल में बेड के लिए चार घंटे भटकते रहे लेकिन सब बेकार। अंत में कोरोना से जंग लड़ते-लड़ते शशि हार गईं और दुनिया को अलविदा कह गईं। हालांकि, मौत के बाद भी परेशानियों से छुटकारा नहीं मिला। अंतिम संस्कार को पहुंचे तो वहां भी लाशों की कतार थी, जिसके चलते अंतिम यात्रा के लिए भी चार घंटे इंतजार करना पड़ा।

गोविंदपुरम के गौड़ होम सी-731 निवासी शशि शर्मा 21 अप्रैल को कोरोना पॉजिटिव आईं। गाजियाबाद-हापुड़ में हॉस्पिटल नहीं मिला। 22 अप्रैल की रात ग्रेटर नोएडा के ग्रीन सिटी हॉस्पिटल ने प्राथमिक उपचार देकर मेरठ रेफर कर दिया। रात 12:10 बजे परिजन उन्हें मेरठ मेडिकल लाए, यहां बेड खाली नहीं मिला। यहां से निजी अस्पताल और फिर जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल से फिर मेडिकल भेज दिया। इस तरह सुबह के चार बज गए। यहां एक घंटा इंतजार के बाद पांच बजे शशि को एडमिट किया। इमरजेंसी वॉर्ड में मारामारी थी। परिजनों के अनुसार, स्ट्रेचर गंदा था तो दवाइयों के कार्टन बिछाकर मां को उस पर लेटा दिया। कोई देखने वाला नहीं था। धीरे-धीरे उनका ऑक्सीजन लेवल गिरता गया और 24 अप्रैल की दोपहर 12:40 बजे शशि की सांसों की डोर टूट गई।

टीकाकरण के लिए बनेंगे ज्यादा प्राइवेट केंद्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना टीकाकरण का चौथा चरण शुरू होने से पहले केंद्र सरकार ने ज्यादा से ज्यादा प्राइवेट सेंटर स्थापित करने का आदेश दिया है। शनिवार (24 अप्रैल) को हुई बैठक में राज्यों से कहा है कि वे आगामी एक मई से पहले अपनी तैयारी पूरी कर लें। 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों के लिए टीकाकरण जल्द से जल्द पूरा करना जरूरी है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा सेंटर भी स्थापित होने चाहिए।

इस दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नई टीकाकरण रणनीति के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए। बैठक में स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों से कहा है कि वे मिशन मोड पर आकर टीकाकरण की तैयारियों में जुट जाएं। आगामी 28 अप्रैल से 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए पंजीयन की सुविधा शुरू हो जाएगी। इससे पहले नए बनाए जा रहे केंद्रों का काम पूरा करने के बाद उनकी सूची कोविन वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए उपलब्ध कराएं। साथ ही उन अस्पतालों पर नजर रखने के लिए कहा है जिन्होंने वैक्सीन की खरीदी फॉर्मा कंपनी से कही है और इसके सर्विस चॉर्ज को लेकर अपनी कीमत स्पष्ट की है। निर्देश में कहा गया है कि टीकाकरण स्लॉट के साथ-साथ पात्र लोगों के लिए टीकाकरण शेड्यूल करना होगा। उन्हें टीकों की प्रत्यक्ष खरीद के संबंध में निर्णय को प्राथमिकता देनी होगी। केंद्र ने उन्हें 18-45 वर्ष आयु वर्ग के लिए केवल ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा के बारे में बताने के लिए कहा है। इसके साथ-साथ केंद्र ने और भी कई दिशा निर्देश दिए हैं। दरअसल केंद्र सरकार ने 1 मई से 18 साल से अधिक उम्र के लोगों का टीकाकरण कराने का फैसला लिया है। फिलहाल 45 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है लेकिन कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सरकार ने आनन-फानन में 18 साल से अधिक वालों के लिए भी टीकाकरण शुरू करने का फैसला लिया है।

सीएम योगी का ऑक्सीजन को लेकर सख्त निर्देश, डाक्टर की पर्ची दिखाने पर ही सिलेंडर दिया जाएगा

लखनऊ, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि अगर कोई ऑक्सीजन सिलेंडर लेने जाता है तो, डाक्टर की पर्ची दिखाने पर ही सिलेंडर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि रेमेडेसिवर, जीवन रक्षक दवाओं तथा ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वालों पर गैंगस्टर, एनएसए लगाया जायेगा और ऐसे लोगों की सम्पत्ति भी जब्त की जायेगी। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अनावश्यक रूप से हर आदमी आक्सीजन के पीछे न भागे। जिसे डाक्टर ने जिसे आक्सीजन की आवश्यकता बताया है, उसे ही आक्सीजन उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिलों में कोविड बेड बढ़ाने का कार्य में निरन्तर, जिसमें 200-200 बेड बढ़ाने की प्रक्रिया की जा रही है। लखनऊ में केजीएमयू, बलरामपुर अस्पताल को पूर्णतया कोविड अस्पताल बनाकर लगभग पांच हजार आसीयू बेड तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में आक्सीजन नियंत्रित करने के लिए कन्ट्रोल रूम बनाया गया है, आक्सीजन की किसी भी प्रकार की कमी नहीं है, लेकिन आक्सीजन की व्यवस्था निरन्तर की जा रही है। एक नया साफ्टवेयर लगाया गया है जिसके माध्यम से अस्पतालों को कब और कैसे कितनी आक्सीजन जा रही है।

इस साफ्टवेयर के माध्यम से लोकेशन को ट्रैक किया जाएगा। ऐसी स्थिति नहीं आने दी जा रही है कहीं भी आक्सीजन की वजह से कहीं किसी मरीज को परेशानी का सामना करना पड़े। कुछ लोगों द्वारा इसे अफवाह बनाकर सोशल मीडिया पर पैनिक फैलाने की कोशिश की जा रही है। सरकार इस पर भी नजर रख रही है। सभी से अपील है कि हर किसी को अलग से आक्सीजन की आवश्यकता नहीं होती है। लगभग 95 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को आक्सीजन की आवश्यकता नहीं होती है।

सहगल ने बताया कि जो लोग होम आइसोलेशन में रह रहे हैं उनको भी आक्सीजन की कोई कठिनाई न आए और उन्हें आक्सीजन मिलती रहे। प्रदेश में कैडिला से रेमेडेसिविर के 18000 इंजेक्शन प्राप्त हो गए हैं कल भी दूसरी कम्पनी से भी रेमडेसिविर के इंजेक्शन प्राप्त हुए थे। प्रदेश में रेमडेसिविर के इंजेक्शन समुचित मात्रा में उपलब्ध है। रेमडेसिविर के भी इंजेक्शन बहुत कम मरीजों को इसकी आवश्यकता पड़ती है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि रेमेडेसिवर, जीवन रक्षक दवाओं तथा ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वालों पर गैंगस्टर, एनएसए लगाया जायेगा और ऐसे लोगों की सम्पत्ति भी जब्त की जायेगी। सहगल ने बताया कि प्रदेश में टैंकरों को रेल के माध्यम से आक्सीजन लाने की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई है। खाली टैंकरों को वायुयान से बोकारो/जमशेदपुर में उतारा जा रहा है। प्रदेश में आक्सीजन, जीवन रक्षक दवाइयों की सूचारू उपलब्धता सुनिश्चित करायी जा रही है।

भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी का 35वां स्थापना दिवस समारोह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के सचिव प्रो. आशुतोष शर्मा ने भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी (आईएनएई) के 35वें स्थापना दिवस पर अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि भविष्य में और तेजी से चुनौतियां सामने आएंगी, इसलिए आईएनएई को देश के विकास एवं प्रगति के लिए और विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के लाभ हासिल करने में आम लोगों की मदद करने के लिए एक थिंक टैंक की भूमिका निभानी चाहिए।

प्रोफेसर शर्मा ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म के जरिए स्थापना दिवस समारोह के आयोजन के मौके पर कहा,भविष्य की कुछ प्रमुख चुनौतियां सतत विकास, जलवायु, ऊर्जा, इंटेलीजेंट मशीन की भूमिका, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इंडस्ट्री 4.0 एवं सोसाइटी 5.0 और मनुष्य की भविष्य की मशीनों से प्रतिस्पर्धा से जुड़ी हैं, जिनके लिए हमें भविष्य की तकनीकों को तलाशना होगा। स्थापना दिवस समारोह में संस्थान द्वारा 20 अप्रैल, 2021 को भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के उद्घाटन को भी चिन्हित किया गया।

उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग नए विज्ञान की खोज करने का एक उपकरण है और ज्ञान के आधार पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़ी बहुत सारी चीजों का निर्माण किया जा सकता है, यह अंतर-अनुशासनात्मक हो सकता है और समस्या-समाधान भविष्य की कुंजी है।

डीएसटी के सचिव ने कहा, भविष्य केवल प्रौद्योगिकियों के रूपांतरण से जुड़ा है। इंजीनियरिंग में नेतृत्व को एक समग्र दृष्टि हासिल करनी चाहिए। देश के विकास और प्रगति के लिए आईएनएई को थिंक टैंक की भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जतायी कि आगामी विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति (एसटीआईपी) इस क्षेत्र में और अधिक महिलाओं को प्रोत्साहित करेगी क्योंकि यह विविधता, समावेश और समानता की पुरजोर वकालत करती है। प्रोफेसर शर्मा ने कहा, विज्ञान का लोकतंत्रीकरण करना होगा जिसमें इंजीनियरिंग भी शामिल है। आईएनएई को इस बात पर विचार करना चाहिए कि महिलाओं को इंजीनियरिंग क्षेत्र में आने के लिए कैसे प्रोत्साहित किया जाए।

केतन रावल ने पुलिस और डॉक्टर्स की सेवा में लगाईं 20 वैनिटी वैन्स

मुंबई। बॉलीवुड के कई सेलिब्रिटीज को वैनिटी वैन उपलब्ध कराने वाले केतन रावल एक बार फिर मुंबई पुलिस की मदद के लिए आगे आए हैं। उन्होंने अपनी वैनिटी वैन लॉकडाउन के दौरान मुंबई के चप्पे-चप्पे पर तैनात पुलिस के इस्तेमाल के लिए दी हैं। इतना ही नहीं, कुछ वैन उन्होंने कोविड मरीजों की देखभाल में लगे डॉक्टर्स की सेवा में भी लगाई हैं। खास बात यह है कि वैनिटी वैन के हर दिन के मेंटेनेंस का खर्च खुद केतन उठा रहे हैं, जो कि लगभग 40 हजार रुपए है। केतन ने अपने इस नेक काम के बारे में खुलकर बात की। बकौल केतन, पुलिस हमारे लिए इतनी मेहनत कर रही है। इस वक्त हम उनकी तकलीफ दूर तो नहीं कर सकते, लेकिन थोड़ी कम करने की कोशिश में लगा हूं। पिछले साल भी तकरीबन 65 दिनों के लिए अपनी वैनिटी वैन्स दी थीं और इस साल भी यही कर रहा हूं।

दैनिक पंचांग

26 अप्रैल 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.37 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	08.35 बजे से
मंगल	मिथुन में	कर्क	10.48 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	13.04 बजे से
गुरु	कुंभ में	कन्या	15.16 बजे से
शुक्र	मेष में	तुला	17.27 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	19.41 बजे से
राहु	वृष में	धनु	21.57 बजे से
केतु	वृश्चिक में	मकर	00.03 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ	01.49 बजे से
		मीन	03.22 बजे से
		मेष	04.53 बजे से

सोमवार 2021 वर्ष का 116 वां दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2078 शक संवत् 1943
मास चैत्र पक्ष शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 12.45 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 23.06 बजे को समाप्त।
योग वज्र 03.16 बजे रात को समाप्त।
करण वणिज 12.45 बजे तदन्तर विष्टि 22.54 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 13.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 13° 31'
सूर्य उत्तरायण कलि अहर्गण 1870865
जूलियन दिन 2459330.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2547
हिजरी सन् 1442
महीना रमजान
तारीख 13
विशेष रेणुका चतुर्थी, चैत्र पूर्णिमा व्रत, अन्वाधान, गुरु हरकिशन पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	06.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.22 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। In.Jagrantimes.com, Bangalore

लॉफिंग ज़ोन

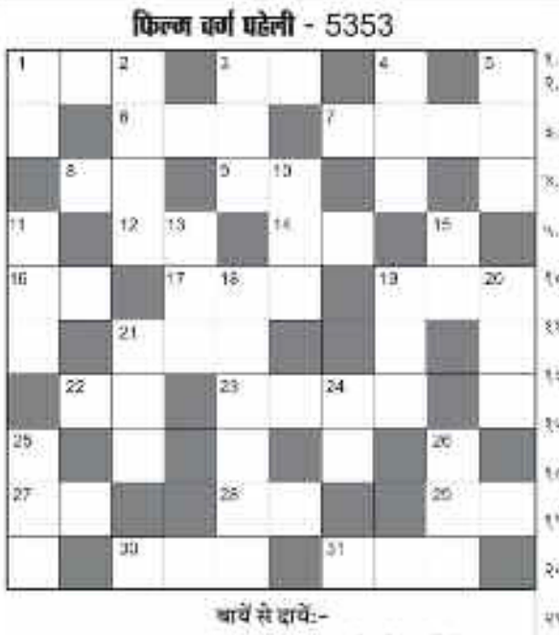

सड़क पर एक आदमी बेहोश होकर गिर गया, तो चारों ओर भीड़ लग गई. एक साहब चिल्लाए, अरे इसके मुंह में थोड़ी-सी ब्रांडी डाल दो.

उन्होंने अपनी बात दो-तीन बार दोहराई, लेकिन शोरगुल में आवाज दब गई. थोड़ी देर बाद बेहोश होकर गिरने वाला आदमी उठा और यह कहकर फिर गिर गया कि अरे कोई उसकी बात भी सुन लो जो ब्रांडी पिलाने की बात कह रहा था.

☺ ☺ ☺

एक नेता को फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में आमंत्रित किया गया. बाद में विजेता टीम को पुरस्कार देने के बाद उन्होंने अपने छोटे से भाषण में कहा- 'बड़े अफसोस की बात है कि इतने बड़े देश में हमारी सारी टीम होने पर भी फाइनल में एक ही टीम पहुंच सकी. हम खेल के क्षेत्र में सुधार की कोशिश करेंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा टीम फाइनल में पहुंच सकें.

☺ ☺ ☺

फिल्म की शूटिंग चल रही थी. जंगल का दृश्य था. निर्देशक ने अभिनेता से कहा- देखो, यह चीता पलटकर तुम्हारी ओर झपटेगा, तुम्हें इसके ऊपर से कूदकर उसके पीछे जाना है. समझ गए न?

'हां, मैं तो समझ गया', अभिनेता ने मुस्कराते हुए कहा- 'पर क्या चीता समझ गया है कि उसे क्या करना है?'

फिल्म वर्ग पहेली - 5353

बायें से दायें:-

[illegible]

ऊपर से नीचे:

[illegible]

फिल्म वर्ग पहेली - 5352

Jagrantimes.com, Bangalore

शब्द पहेली -6907

बाएँ से दाएँ

[illegible]

ऊपर से नीचे

[illegible]

शब्द पहेली -6906 का हल

आज का इतिहास 26 अप्रैल

1532 तुर्की के सुल्तान सुलेमान प्रथम ने हंगरी पर हमला किया.

1798 फ्रांस ने आस्ट्रिया के खिलाफ जंग का ऐलान किया.

1812 जर्मन वनस्पतिज्ञानी अल्फ्रेड फ्लूश का जन्म हुआ.

1860 स्पेन और मोरक्को के बीच शांति समझौता हुआ.

1903 ट्रांसवाल हाईकोर्ट (दक्षिण अफ्रीका) में गांधीजी ने वकालत शुरू की.

1920 गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का निधन हुआ.

1954 कोरिया और हिंद चीन के मसले पर महाशक्तियों की बैठक में पहले चुनाव कराने पर बल दिया गया.

1962 अमेरिका, ब्रिटेन के संयुक्त तत्वाधान में ब्रिटेन के पहले उपग्रह एरियल-1 का प्रक्षेपण किया गया.

1964 टांगानिका और जंजीबार को मिलाकर तंजानिया का गठन किया गया.

1966 वियतनाम युद्ध में अमेरिकी युद्धकों ने पहला मिग-21 विमान मार गिराया गया.

1975 सिक्किम को भारत का नया राज्य बनाने संबंधी प्रस्ताव संसद ने पारित किया था.

1989 चीन लोकतंत्र समर्थक छात्रों ने सरकार के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन की घोषणा की.

1990 कोलंबिया में राष्ट्रपति पद के वामपंथी उम्मीदवार कार्लोस पिजार्रो की हत्या हुई थी.

1994 ताइवानी विमान दुर्घटना में 264 व्यक्ति मारे गए.

2002 यूनान के पास नदी में डूबने से पंजाब के 25 युवकों की मृत्यु.

लखनऊ के 55 अस्पतालों में कोविड मरीजों की सीधी भर्ती शुरू

लखनऊ, (एजेंसी)। तमाम प्रयासों के बावजूद अस्पतालों की ओर से बेड की उपलब्धता लगातार शून्य बताए जाने को लेकर प्रशासन चिंतित है। शासन से मार्गदर्शन लेकर प्रभारी जिलाधिकारी ने पूर्व के आदेशों को खारिज करते हुए 55 अस्पतालों में सीधी भर्ती करने के निर्देश दिए हैं। इसके पूर्व 96 अस्पतालों वाले निर्देश को निरस्त कर दिया है। काफी समय से कोविड कमांड सेंटर गंभीर मरीजों को किसी अस्पताल में बेड नहीं दिला पा रहा है। ऐसे में प्रभारी डीएम रौशन जैकब ने शासन और उच्च अधिकारियों से विचार विमर्श कर बैठक की। डीएम ने बताया कि नई सूची में शामिल अस्पताल 90 फीसदी बेड पर कोविड मरीजों की सीधी भर्ती करेंगे। यानी इसके लिए सीएमओ के चिट्ठी की जरूरत नहीं पड़ेगी। शेष 10 फीसदी बेड कोविड कमांड सेंटर के जरिए भरे जाएंगे। विद्या अस्पताल रायबरेली रोड, मायो अस्पताल गोमती नगर, वागा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल सीतापुर रोड, अथर्व मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल आईआईएम रोड, चरक अस्पताल जेहटा रोड, निशात अस्पताल लालबाग, मैकवेल अस्पताल गोमती नगर, आल्टिस अस्पताल आईआईएम रोड, विवेकानन्द अस्पताल विवेकानन्दपुरम, मेदांता अस्पताल अमर शहीद पथ, लखनऊ हैरिटेज अस्पताल चौक, ओपी चौधरी अस्पताल सुलतानपुर रोड, चंदन अस्पताल चिनहट, सहारा अस्पताल गोमती नगर, अपोलो मेडिक्स आलमबाग, टेंडर पाम अस्पताल अमर शहीद पथ, उर्मिला अस्पताल सीतापुर रोड, कोवा अस्पताल मुंशीपुलिया इन्दिरा नगर, कामाख्या अस्पताल हरदोई रोड, ग्रीन सिटी अस्पताल कुर्सी रोड, मां चन्द्रिका देवी अस्पताल सुलतानपुर रोड, राजधानी अस्पताल राय बरेली रोड, संजीवनी अस्पताल कुर्सी रोड, एडवांस न्यूरो एवं जनरल अस्पताल अर्जुनगंज सुलतानपुर रोड, श्री साई लाइफ अस्पताल कल्ली पश्चिम रायबरेली रोड, किंग मेडिकल सेंटर काकोरी, जेपी अस्पताल कुर्सी रोड, ए वन अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर टुड़ियागंज, सिप्स अस्पताल शाहमीना रोड, लखनऊ अस्पताल कृष्णा नगर कानपुर रोड, मिडलैंड हेल्थकेयर महानगर विस्तार, अपराजिता अस्पताल जानकीपुरम, चरक अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर दुबग्गा, जगरानी अस्पताल रिंग रोड कल्याणपुर, केके अस्पताल रिवर बैंक कालोनी, सुषमा अस्पताल फैजाबाद रोड, सीएनएस अस्पताल इन्दिरा नगर, राधा कृष्णनम सरकार मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल कृष्णा नगर, एसएचएम अस्पताल मलिहाबाद, रॉकलैंड अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर सुलतानपुर रोड, नोवा अस्पताल गोमती नगर, शिवा अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर कमता क्रॉसिंग गोमती नगर, बाबा अस्पताल मटियारी देवा रोड, श्री साई अस्पताल कुर्सी रोड, औतार अस्पताल बुलाकी अड्डा, मेडिकल केयर सेंटर, मेडवेल अस्पताल कैंट रोड, सन अस्पताल विभव खंड गोमती नगर, आस्था अस्पताल अलीगंज, आरएसडी समर्पण अस्पताल देवा रोड, जीसीआरजी मेमोरियल अस्पताल चन्द्रिका देवी रोड, रेवांता अस्पताल हरददोई रोड।

शिमला। राज्य के चार जिलों में कोरोना कर्फ्यू लागू।

फिल्म-हेरिटेज सिटी व टप्पल लॉजिस्टिक हब से बदल जाएगी नोएडा की सूरत

नोएडा, (एजेंसी)। यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने अपने 20 वर्ष के सफर में कई ऊंचाइयों को छुआ है। जेवर एयरपोर्ट पर मुहर लगने के साथ ही यहां औद्योगिक विकास ने रफ्तार पकड़ ली है। यीडा ने प्रदेश में कलस्टर बनाकर औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया है। यहां फिल्म सिटी, राया हेरिटज सिटी, टप्पल लॉजिस्टिक हब समेत कई बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इन पर 60 हजार करोड़ से अधिक खर्च होंगे। दावा है कि 2023-24 तक ये परियोजनाएं शुरू हो जाएंगी। इनके पूरा होने से शहर की सूरत बदल जाएगी। यीडा का गठन 2001 में हुआ था। 2009 में यहां पर 21 हजार भूखंडों की आवासीय योजना आई थी। इसके बाद यहां पर औद्योगिक, व्यावसायिक, हाउसिंग सोसाइटी, आवासीय योजनाओं को लांच करने की रफ्तार काफी धीमी रही। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद जेवर एयरपोर्ट पर मुहर लगी। कोरोना महामारी पर अंकुश लगने के बाद इसका शिलान्यास होने की उम्मीद है। स्विस कंपनी ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजी इसका विकास करेगी। पहला चरण 1334 हेक्टेयर मे बनेगा। पहले चरण पर करीब 30 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। एयरपोर्ट और अपने सेक्टरों तक आने-जाने के लिए आवागमन के साधनों को बढ़ाने पर जोर दिया है। ग्रेटर नोएडा से जेवर तक मेट्रो चलाई जाएगी। इसकी संशोधित डीपीआर पर काम चल रहा है। इसके अलावा एयरपोर्ट से फिल्म सिटी तक पॉड टैक्सी चलाई जाएगी। इसकी भी डीपीआर बनाई जा रही है। बीकानेर, हल्दीराम, हॉलिस्टिक इंडिया लिमिटेड, सूर्या ग्लोबल, क्वाडरेंट, स्वास्तिक इंडस्ट्रीज, नर्सी मोंजी विश्वविद्यालय समेत दर्जनों बड़ी कंपनियों को जमीन आवंटित कराई है। इसके अलावा यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने प्रदेश में पहली कलस्टर इंडस्ट्री की शुरूआत की है। यहां पर हैंडीक्राफ्ट पार्क, अपैरल पार्क, एमएसएमई पार्क और ट्वाय सिटी आदि विकसित की हैं। प्राधिकरण ने एयरपोर्ट और अपने सेक्टरों तक आने-जाने के लिए आवागमन के साधनों को बढ़ाने पर जोर दिया है। ग्रेटर नोएडा से जेवर तक मेट्रो चलाई जाएगी। इसकी संशोधित डीपीआर पर काम चल रहा है। इसके अलावा एयरपोर्ट से फिल्म सिटी तक पॉड टैक्सी चलाई जाएगी। इसकी भी डीपीआर बनाई जा रही है।

यूपी के बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी कोरोना पॉजिटिव

बांदा, (एजेंसी)। बांदा जेल में बंद बहुबली विधायक मुख्तार अंसारी कोरोना पॉजिटिव हो गए। मुख्तार के एंटीजन कोविड टेस्ट की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक दिन पहले मुख्तार अंसारी का सैंपल लिया था। मुख्तार अंसारी की तबीयत ठीक है। उसे कोई खास दिक्कत नहीं है। इसकी पुष्टि गैंगेस्टर जेल अधीक्षक ने की है। मुख्तार के खांसी, जुकाम और बुखार की शिकायत पर डॉक्टर से जांच कराई गई। कोविड के लक्षण होने पर एंटीजन जांच कराई गई। रिपोर्ट पॉजिटिव रही। साथ ही दो और लोगों की जांच एंटीजन से कराई गई तो उनकी भी रिपोर्ट पॉजिटिव रही। अब तक मंडल कारागार में 50 से अधिक कोरोना संक्रमित सामने आ चुके हैं। सभी को अलग सेल में क्वारंटीन किया है। लगातार पॉजिटिव केस सामने आने से मंडल कारागार में वायरस लोड बढ़ता जा रहा है। अब भी कई बंदी, कैदियों और कारगार स्टाफ को खांसी-जुकाम, गले में खरास की शिकायत है। अगर सभी की जांच कराई जाए तो यहां बहुत बड़ी मात्रा में संक्रमित सामने आएंगे। जेल में कैदी और बंदियों की परिजनों से मिलाई बंद है। लेकिन उनके परिजनों के लाए सामान की इंट्री चालू है। चचाओं के मुताबिक, इधर जब से कोरोना संक्रमण बढ़ा है। तब से काफी परिजनों ने अपने-अपने घर के लोगों को सामान मंडल कारागार पहुंचाया है।

बता दें कि विधायक मुख्तार अंसारी की वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये गुरुवार को शस्त्र लाइसेंस के मामले में सीजेएम कोर्ट में पेशी हुई थी। इस दौरान मुख्तार ने कोर्ट से शिकायत की कि उसे जेल मैनुअल के अनुसार सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। जेल में तख्त, कूलर, मच्छरदानी टेबल और क्लास श्री के तहत सुविधाएं मिलनी चाहिये। लेकिन नहीं दी जा रही हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए सीजेएम ने बांदा जेल अधीक्षक को फटकार लगाते हुये जेल मैनुअल के तहत सुविधायें दिये जाने का आदेश दिया।

राजनैतिक काम छोड़कर सिर्फ जन सहायता करें : राहुल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों के बीच राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकताओं से लोगों की सहायता करने की अपील की है। रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सभी कांग्रेस कार्यकताओं से राजनैतिक काम छोड़कर सिर्फ जन सहायता करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश का सिस्टम फेल हो चुका है, इसलिए इस संकट में देश को जिम्मेदार नागरिकोंय की जरूरत है और कांग्रेस कार्यकताओं को देशवासियों का दुख दूर करना चाहिए। राहुल गांधी ने रविवार को ट्वीट किया, सिस्टम फेल है इसलिए ये जनहित की बात करना जरूरी है। इस संकट में देश को जिम्मेदार नागरिकों की जरूरत है। अपने कांग्रेस साथियों से मेरा अनुरोध है कि सारे राजनैतिक काम छोड़कर सिर्फ. जन सहायता करें, हर तरह से देशवासियों का दुख दूर करें। कांग्रेस परिवार का यही धर्म है। इससे पहले राहुल गांधी ने 18 अप्रैल को बंगाल चुनाव में प्रस्तावित अपनी सभी रैलियों को रद्द कर दिया था। राहुल गांधी ने ऐसे समय में यह फैसला लिया था, जबकि बंगाल में तीन चरण के चुनाव बाकी थे। राहुल गांधी ने पहले अंग्रेजी में ट्वीट करते हुए कहा, कोविड की स्थिति को देखते हुए मैं पश्चिम बंगाल में अपनी सभी सार्वजनिक रैलियों को स्थगित कर रहा हूं। मैं सभी राजनीतिक नेताओं को सलाह दूंगा कि मौजूदा परिस्थितियों में बड़ी सार्वजनिक रैलियों के आयोजन के परिणामों पर गहराई से विचार करें। भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर का कहर थमने का नाम नहीं ले रही है। हर दिन कोरोना के मामलों में बड़ा इजाफा देखने को मिल रहा है, जिसकी वजह से देश में अस्पतालों में बेड से लेकर ऑक्सीजन की किल्लतें होने लगी हैं। देश में कोरोना की दूसरी लहर हर दिन अपने ही बनाए रिकॉर्ड ध्वस्त कर रही है।

महाराष्ट्र के हर नागरिक को मुफ्त लगेगा टीका

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच राज्य सरकार ने बड़ा एलान किया है। राज्य के मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि राज्य के हर नागरिक को कोरोना का टीका मुफ्त लगाया जाएगा। ठाणे में कोरोना वायरस संक्रमण के 5,192 मामले सामने आने के बाद महाराष्ट्र के इस जिले में कोविड-19 मरीजों की संख्या 4,46,376 हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि सामने आए इन नए मामलों के अलावा संक्रमण से 46 और मरीजों की जान चली गई। जिल में मृतक संख्या बढ़कर 7,232 हो गई है। उन्होंने बताया कि ठाणे में संक्रमण से मृत्यु दर 1.62 प्रतिशत है। जिला प्रशासन ने स्वस्थ हो चुके और उपचाराधीन मरीजों के ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पड़ोस के पालघर जिले में, कोविड-19 के मामले 76,678 हैं और मृतक संख्या 1,447 है।

नाइट कर्फ्यू में पूर्व विधायक शुक्ला के घर डांस पार्टी

वैशाली, (एजेंसी)। बिहार के पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला के घर नाइट कर्फ्यू में डांस पार्टी का आयोजन किया गया। पुलिस ने बड़ी कारवाई करते हुए पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला, उनकी पत्नी अन्नु शुक्ला, भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह, मुन्ना शुक्ला के बॉडीगार्ड अमित कुमार समेत पांच लोगों पर नामजद मामला दर्ज किया है। इसके साथ ही इस मामले में 300 सौ अज्ञात लोगों पर भी मामला दर्ज हुआ है। लालगंज थाना के एसएचओ चन्द्रभूषण शुक्ला के बयान पर मामला दर्ज किया गया है। वैशाली जिले के लालगंज के खंजाहांचक गांव में लालगंज के पूर्व विधायक और बाहुबली नेता मुन्ना शुक्ला के आवास पर उनके भाई मुजफ्फरपुर के डिप्टी मेयर मानमर्दन शुक्ला के बेटे का जनेऊ का कार्यक्रम था। इसी अवसर पर पूर्व बाहुबली विधायक मुन्ना शुक्ला ने ग्रांड डांस पार्टी का आयोजन किया था। इस ग्रांड डांस पार्टी में भोजपुरी की एक्ट्रेस अक्षरा सिंह को बुलाया गया था।नाइट कर्फ्यू और कोरोना गाइडलाइंस के नियमों को ताख पर रखकर देर रात तक डांस पार्टी चलता रहा। डांस पार्टी में बाहुबली विधायक मुन्ना शुक्ला और उनकी पत्नी पूर्व विधायक अन्नू शुक्ला, एक्ट्रेस अक्षरा सिंह के साथ ठुमके लगाते नजर आए थे। वहीं, हजारों की संख्या में दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों के साथ भी मुन्ना शुक्ला डांस करते नजर आए थे। वहीं, उनका सरकारी बॉडीगार्ड खुलेआम कार्बाइन से फायरिंग कर रहा था। हैरानी की बात यह है कि लालगंज बाजार में कोरोना गाइडलाइंस नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए ग्रांड डांस पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने जमकर ठुमके लगाए, लेकिन प्रशासन इस पूरी घटनाक्रम से बेखबर रही है। हालांकि पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद वरीष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर सदर एसडीओपी राघव दयाल और लालगंज थाना के एसएचओ चन्द्रभूषण शुक्ला ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरी की है। इस संबंध में सदर एसडीओपी राघव दयाल ने बताया कि एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो पूर्व विधायक के आवास पर आयोजित डांस पार्टी का है। जांच चल रही है।

सोनू सूद अब टेलिग्राम के जरिए करेंगे मदद

मुंबई, (एजेंसी)। कोरोना महामारी के कारण हो रही मुश्किलों के बीच एक्टर सोनू सूद मसीहा की तरह उभरे हैं। वो आज भी लोगों की हर संभव मदद कर रहे हैं और अब सोनू सूद ने लोगों तक मदद पहुंचाने के लिए एक और जरिया बना दिया है। दरअसल, कोरोना महामारी के हर दिन मामले बढ़ते जा रहे हैं और ऐसे में ऑक्सीजन और आईसीयू बेड्स की कमी हो रही है। इसके लिए सोनू सूद ने एक टेलिग्राम ऐप पर एक ग्रुप बनाया है, जिसके माध्यम से वो देशभर में जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंचा सकेंगे। सोनू सूद ने टेलिग्राम पर शनिवार को ये ग्रुप बनाया है और इसके बारे में ट्वीट करते हुए जानकारी दी है। अभिनेता ने देशवासियों से सोनू सूद कोविड फोर्स ज्वाइन करने की अपील करते हुए लिखा, अब पूरा देश साथ आएगा।

कोरोना पर गलत जानकारी फैलाने वाले ट्वीट्स डिलीट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ट्विटर ने हाल ही में कई ऐसे ट्वीट्स डिलीट किए हैं, जिनके जरिए कोरोना पर भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही थी। ट्विटर प्रवक्ता ने रविवार को इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि अकाउंट्स को ब्लॉक नहीं किया गया है, उन्हें मेल के जरिए कार्रवाई की जानकारी दी गई है। सरकार ने कहा कि फेक न्यूज फैलाने के लिए ये एक्शन लिया गया है इसलिए नहीं कि हमारी आलोचना की जा रही थी। ट्विटर ने बताया कि सरकार ने कई ट्वीट्स को लेकर आपत्ति जताते हुए कहा था कि कुछ लोग इसके जरिये फेक न्यूज फैला रहे हैं। इनमें मीडियानामा, कांग्रेस के लोकसभा सांसद रेवांत रेड्डी, बंगाल के मंत्री मोलोय घाटक, एक्टर विनीत कुमार सिंह और दो फिल्म मेकर्स के ट्वीट शामिल हैं। ट्विटर ने कहा, हम कोरोना पर गलत जानकारियों को हैंडल कर रहे हैं। इसके लिए हम प्रोडक्ट, टेक्नोलॉजी और ह्यूमन रिव्यू का इस्तेमाल कर रहे हैं और हमारी कोशिशें आगे भी जारी रहेंगी। ये हमारी प्राथमिकता है।

उधर, सरकार ने ट्विटर के एक्शन पर कहा है कि इन अकाउंट्स पर एक्शन इसलिए नहीं लिया गया हैं, क्योंकि वो सरकार की कोविड के हालात को नियंत्रित करने की शैली की आलोचना कर रहे थे। बल्कि ये कदम इसलिए उठाया गया है, क्योंकि ये पुरानी तस्वीरों और गलत खबरों के जरिए जनता में अफवाहें और डर फैला रहे थे। सरकार ने कहा कि कई ट्विटर हैंडल 24 घंटे सरकार की आलोचना कर रहे हैं, पर हमने इन्हें ब्लॉक करने के लिए ट्विटर से नहीं कहा।

उत्तराखंड में लग सकता है मिनी लॉकडाउन

देहरादून, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण की रोकथाम को लेकर आयोजित सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने सुझावों के बहाने व्यवस्था की खामियों को सामने रखा, लेकिन सरकार को पूर्ण सहयोग का भरोसा भी दिलाया। सचिवालय में वर्चुअल माध्यम से आयोजित सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। कोरोना वायरस की चेन तोडे के लिए भी कारगर प्रयास किए जा रहे हैं। जन जागरूकता से हम इस पर नियंत्रण पा सकते हैं। कोरोना रोकथाम में प्रयुक्त होने वाली दवा व इंजेक्शन आदि की कालाबाजारी रोकने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हरीश रावत ने कहा कि प्रवासियों के लिए मैदानी जिलों में क्वारंटीन सेंटर बनाए जाएं।

मुंबई में 36 फीसदी लोगों को बिना लक्षण हो चुका कोरोना

मुंबई, (एजेंसी)। महानगरपालिका यानी बीएमसी ने महानगर में तीसरा सीरो सर्वे करवाया है। मार्च में हुए इस सर्व में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई में 36 फीसदी लोगों को कोरोना हो चुका है और उन्हें इसका पता नहीं चला। ये मरीज अब पूरी तरह ठीक हैं और उनके शरीर में एंटीबॉडी डेवलप हो चुकी है। यानी इनके शरीर ने अपने आप कोरोना से लड़की की ताकत हासिल कर ली। इससे पहले दिल्ली में भी सीरो सर्वे हो चुका है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक भी 29 फीसदी दिल्लीवासियों के शरीर में कोरोना वायरस के एंटीबॉडी मिले थे। इसका मतलब कि इन लोगों को कोरोना संक्रमण हो चुका है और उनके शरीर ने उसके खिलाफ एंटीबॉडी विकसित कर ली है।

एक दिन में 3,46,786 नए मामले सामने आने के साथ संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 1,66,10,481 पर पहुंच गए, जबकि सक्रिय मामलों की संख्या 25 लाख से अधिक हो गई है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 773 मरीजों की मौत हुई। इसके बाद दिल्ली का नंबर रहा जहां 348 मरीजों की जान गई। देश में सक्रिय मामलों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है और फिलहाल यह आंकड़ा 25,52,940 है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 15.37 प्रतिशत है। संक्रमण से उबरने वाले लोगों की दर और गिर गई है और यह 83.49 प्रतिशत है।

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन ने 43 महिला रेल कर्मियों को सम्मानित किया।

पति को मुंह से सांस देती रही महिला फिर भी नहीं बचाई जा सकी जान

आगरा, (एजेंसी)। आगरा जिले से दिल को झकझोर कर देने वाला मामला सामने आ रहा है। सांस लेने में तकलीफ से जूझ रहे अपने पति को लेकर 3-4 अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद रेणू सिंघल एक ऑटो रिक्शा से एक सरकारी अस्पताल पहुंची और उन्होंने अपने पति को मुंह से भी सांस देने की कोशिश की लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। यह घटना शुक्रवार की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शहर के आवास विकास सेक्टर सात की रहने वाली रेणू सिंघल अपने पति रवि सिंघल (47) को सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज (एसएनएमसी) एंड हॉस्पिटल लेकर आयी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उसके पति को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और उसे बचाने की जुगत में रेणू ने उसे अपने मुंह से भी सांस देने की कोशिश की। रेणू को एंबुलेंस भी उपलब्ध नहीं हो पाई। एसएनएमसी के डॉक्टरों ने रवि को मृत घोषित कर दिया। इससे पहले तीन-चार निजी अस्पतालों ने रेणू के पति को भर्ती करने से इनकार कर दिया। अस्पतालों में भर्ती करने से इनकार करने की घटनाएं शहर में आम हो गई है। आगरा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी आरसी पांडे ने कहा कि जिले में मेडिकल ऑक्सीजन की कमी है। उन्होंने कहा, हम उपलब्धता के अनुसार व्यवस्था कर रहे हैं। बहरहाल उन्होंने दावा किया कि आगरा के अस्पतालों में गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए बिस्तर उपलब्ध हैं। कई लोगों ने शिकायत की है कि उन्हें एक बिस्तर की तलाश में एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल के चक्कर काटते हुए घंटों तक इंतजार करने के लिए मजबूर किया गया। शनिवार को एक निवासी ने शिकायत की कि उसकी सास को अस्पताल में भर्ती करने से इनकार कर दिया गया जिससे उनकी मौत हो गई। गढ़ी भदौरिया की 52 वर्षीय मरीज मीरा देवी की एक निजी अस्पताल में वेंटिलेटर उपलब्ध न होने के कारण मौत हो गई। वह कोरोना वायरस से संक्रमित थीं और उनका आगरा के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। उनके बेटे महेंद्र पाल सिंह ने कहा कि तीन से पांच निजी अस्पतालों ने मेरी मां को भर्ती करने से इनकार कर दिया और उन्हें सरकारी अस्पतालों में भी भर्ती नहीं किया गया। किसी तरह उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां वेंटिलेटर न होने के कारण उनकी मौत हो गई।

प्रेरणा

नेत्रहीनता को नहीं बनने दी बाधा

उर्वी जंगम दुनिया की पहली ऐसी नेत्रहीन शख्सियत हैं, जिन्होंने जर्मन स्टडीज में अपनी डॉक्टरेट डिग्री पूरी की है. साथ ही उन्होंने 'अदृश्य रस' के नाम से सौंदर्य बोध की एक नयी अवधारणा भी विकसित की है. 'अदृश्य रस', किसी चीज को देखे बिना अन्य पांचों इंद्रियों के इस्तेमाल से उसके सौंदर्य को समझने की क्षमता है.

उर्वी ने धारणा के विज्ञान के तौर पर सौंदर्यशास्त्र की पढ़ाई के दौरान अपनी थीसिस में बिना किसी चीज को देखे हुए उसके सौंदर्य को समझने की संभावना पर काम किया. 'एस्थेटिक्स ऑफ द नॉन-विजुअल' शीर्षक से प्रकाशित उनके रिसर्च पेपर को विशेषज्ञों ने खूब सराहा. विशेषज्ञों के मुताबिक किसी नेत्रहीन की ओर से, नेत्रहीनता पर, विशेष तौर से किसी नेत्रहीन के लिए (जो देख सकते हैं उनके लिए भी) यह अपने आप में एक दुर्लभ और अपनी तरह का पहला रिसर्च पेपर है. उर्वी की रिसर्च नेत्रहीनों द्वारा सौंदर्य बोध के तत्वों को समझने के लिए नेत्रहीन लेखकों के साहित्यिक कार्यों का विश्लेषण करता है. इस तरह उर्वी ने कभी भी नहीं देख पाने की क्षमता को अपने जीवन में बाधा नहीं बनने दिया.

चर्चा में

डॉ त्रुप्ति गिलाडा

देश में कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों और चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था के बीच पिछले दिनों महाराष्ट्र की एक महिला डॉक्टर त्रुप्ति गिलाडा का वीडियो वायरल हुआ है. इस वीडियो में उन्होंने यह बताया है कि देश में हालात कैसे बिगड़ते जा रहे हैं. साथ ही, उन्होंने हर किसी से मास्क पहनने, वैक्सीन लेने और पैनिक न होने की अपील की है. इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा है कि अगर किसी को बुखार आता भी है, तो पैनिक होने के बजाय घर पर ही खुद को आइसोलेट करके जरूरी सावधानियां बरतें.

रोचक खबर

हेलीकॉप्टर से आयी बिटिया

राजस्थान के नागौर जिले के कुचेरा क्षेत्र के गांव निंबड़ी चांदावता में एक सामान्य किसान परिवार के घर में 35 वर्षों बाद जन्मीं बेटी सिद्धी को घर लाने के लिए उसके दादा मदन लाल प्रजापति ने अपनी फसल बेच दी और उन्हीं पैसों से हेलिकॉप्टर किराये पर लेकर पोती को उसके ननिहाल से अपने घर मंगवाया. हेलीपैड से लेकर घर तक रास्ते में गांववालों ने बच्ची के सम्मान में फूल बिछाये. इसके लिए हफ्ते भर पहले से तैयारियां की जा रही थीं.

हर महिला को हो अपने अधिकारों की जानकारी

भले ही आज हम 21वीं सदी में रह रहे हैं, लेकिन आज भी हमारे देश की लाखों-करोड़ों महिलाएं आये दिन किसी-न-किसी रूप में इस पुरुष सत्तात्मक समाज द्वारा प्रताड़ित हो रही हैं. कभी शारीरिक रूप से, तो कभी आर्थिक, मानसिक या भावनात्मक रूप से. इसकी एक बड़ी वजह है- महिलाओं को अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी न होना. इसी बात को ध्यान में रख कर मानसी चौधरी द्वारा 'पिंक लीगल' नामक लीगल पोर्टल की शुरुआत की गयी है, जो कि भारत में अपने तरह का पहला बेव पोर्टल है. मानसी की मानें, तो महिला सशक्तीकरण का सपना तभी पूरा हो सकता है, जब हर महिला को अपने अधिकारों की जानकारी हो और जरूरत पड़ने पर वह बेझिझक होकर इसका उपयोग कर सके.

25 वर्षीया अप्रवासी भारतीय मानसी कल्याण ब्रिटेन के लेस्टर शहर में पैदा हुई हैं, लेकिन भारतीयता उन्हें विरासत में मिली है. हैदराबाद से अपनी लॉ की पढ़ाई पूरी करने के दौरान मानसी ने महसूस किया भारत की न्यायिक व्यवस्था बेहद जटिल है, इसलिए यहां महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में समझाने और जागरूक बनाने के लिए इस जटिलता को खत्म करना जरूरी है. मानसी को यह देख कर अफसोस होता है कि गांव की महिलाओं के साथ-साथ शहरों की शिक्षित महिलाओं को भी अपने अधिकारों की जानकारी नहीं है. बता दें कि एडवोकेट मानसी चौधरी वर्ष 2018 में धारा-377 और सबरीमाला मंदिर मुद्दों पर काफी चर्चा में रहीं थीं.

हर पल डर के साये में जीती हैं महिलाएं

मानसी कहती हैं- "मैं खुशनसीब हूं कि मेरे घरवाले उतने रूढ़िवादी नहीं हैं जितना मैंने अपने अन्य भारतीय दोस्तों के परिवारों में देखा है. मुझे अपनी मर्जी से पढ़ने और करियर चुनने की आजादी मिली, लेकिन कभी-न-कभी ऐसा कुछ हो ही जाता है, जो इस बात का अहसास दिलाता है कि मैं एक लड़की हूं. जैसे, अगर मैं शाम को घर से बाहर निकलना चाहूं, तो मेरे पापा थोड़ा हिचकिचायेंगे, जाने से मना करेंगे या फिर किसी पुरुष सदस्य को अपने साथ ले जाने को कहेंगे. दरअसल, समाज में 'लड़की' होने का डर हमारे भीतर इस कदर बैठा दिया है कि एक शाम आठ बजे के करीब जब मैं सड़क पर अकेले टहलने निकली, तो अचानक मुझे लगा कि मेरे पीछे कोई चल रहा है. मेरा हाथ पॉकेट में रखे एक छोटे से की-चेन की तरफ बढ़ गया, पर जब पलट कर देखा तो वो मेरी परछाई थी. समझ नहीं आता कि क्या यह सिर्फ भारतीय परवरिश का असर है या फिर एक ऐसी मानसिक उलझन, इससे उबरना नामुमकिन लगता है.

एक घटना ने बदल दी मानसी की जिंदगी

मानसी चौधरी जुलाई 2017 की एक रात में जब अपनी शॉपिंग करके घर जाने के लिए जैसे ही अपनी कार में बैठीं, तो कुछ लड़के उन्हें छेड़ने लगे. कार से उतरे दो लड़कों ने मानसी को भद्दी गालियां और धमकियां देना शुरू कर दिया. उन्होंने कार का दरवाजा खोलने की कोशिश भी की. हालांकि यह सब कुछ मानसी के लिए बेहद अविश्वसनीय था. फिर भी उस वक्त मानसी किसी तरह उन लड़कों से पीछा छुड़ा कर वहां से निकल आयीं और अगले ही दिन पुलिस स्टेशन जाकर उन लड़कों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करवायी. उस घटना के बाद मानसी को इस बात का अहसास हुआ कि एक वकील होने के नाते उन्हें तो यह बात पता थी कि अपने साथ हुए अन्याय के खिलाफ किस तरह आवाज उठाना चाहिए, लेकिन इस देश में लाखों-करोड़ों महिलाएं ऐसी भी हैं, जो अपने कानूनी अधिकारों के बारे में नहीं जानतीं. फिर वे अपने हक के लिए किस तरह लड़ती होंगी? यही सोच का मानसी ने महिलाओं के कानूनी अधिकारों से जुड़े पहले वेब पोर्टल की शुरुआत की.

अन्याय के खिलाफ तुरंत आवाज उठाना जरूरी

'पिंक लीगल' बेवसाइट के जरिये महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी जाती हैं. इस वेबपोर्टल पर महिलाओं से जुड़े कई अहम कानूनों जैसे कि- बलात्कार, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, बाल विवाह और छेड़खानी आदि के बारे में बताया गया है. मानसी के अनुसार -" यह पोर्टल उन महिलाओं के लिए उपयोगी है जो इंसाफ की लड़ाई लड़ना चाहती हैं." मानसी का मानना है कि देश की हर महिला को न्याय व्यवस्था और खुद के लिए बने कानूनों की जानकारी होना बेहद जरूरी है. वह कहती हैं- "अगर महिलाएं अपने साथ हुए अपराधों के खिलाफ तुरंत आवाज उठाएं, तो काफी हद तक संभव है कि उन्हें उनका हक मिल जाये, लेकिन अफसोस कि अधिकांश महिलाएं उस वक्त चुप रह जाती हैं. इस वजह से अपराधी समाज में खुले आम घूमते हैं.

रचना प्रियदर्शिनी
इमेल : r.p.verma8@gmail.com

भीड़ से हट कर सोचने की क्षमता बनाती है आपको स्ट्रॉन्ग

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट

केस 01 किसी भी विशेष परिशिष्ट के लिए प्लानिंग करते समय संपादक जी हमेशा सुब्रत (काल्पनिक नाम) को जरूर फोन करते हैं, क्योंकि उसके पास हमेशा दूसरों से हट कर स्टोरी आइडिया होता है. साथ ही, वह विशेष अवसरों की थीम को लेकर हमेशा अलग एंगल से भी सोचता है.

केस 02 बंगाल की एक अग्रणी एडिबल ऑयल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के बॉस हमेशा जब भी कोई नया प्रोडक्ट लांच करने की योजना बनाते हैं, तो अपनी मार्केटिंग मैनेजर शोभना को शुरू से अंत तक हर मीटिंग में साथ रखते हैं. कारण, शोभना प्रोडक्ट के ब्रांड नाम से लेकर डिजाइनिंग, उसकी लेवलिंग और मार्केटिंग से लेकर प्राइसिंग तक को लेकर हमेशा कोई इनोवेटिव आइडिया सजेस्ट करती है.

हम सभी के अंदर अपने आसपास की हर चीज को, प्राप्त विचारों या सुझावों को अथवा परिस्थिति विशेष को अपने-अपने तरीके से विश्लेषित करने की क्षमता है. अब यह अलग मुद्दा है कि किसी का आइडिया हिट हो जाता है, तो किसी का पिट जाता है और किसी के आइडियाज के बारे में बाकी लोग कभी जान ही नहीं पाते, तो उनके बारे में बात करना ही बेमानी है. खैर, किसी व्यक्ति के व्यवहारों के साथ-साथ उसके विचारों के आधार पर ही यह तय होता है कि वह जीवन में कितना आगे तक जाने की क्षमता रखता है.

ओनलीनेस को बनाएं ताकत

सुब्रत और शोभना अपने बॉस की नजर में अपनी अलग और अनूठी विचारधारा, सोच और नये आइडियाज के कारण महत्वपूर्ण हैं. वे जानते हैं कि उनकी 'ओनलीनेस' यानी दूसरों से हट कर सोचने की प्रतिभा ही उनकी असली ताकत है. हो सकता है कि वैसे विचार उनके अन्य सहयोगियों के जेहन में न आती हो, लेकिन कई लोग संकोचवश अपने अलग तरह के आइडिया शेयर नहीं करते, उन्हें अपनी खिल्ली उड़ने या सबके सामने रिजेक्ट हो जाने का डर लगता है.

लाइफ में मिल सकते हैं बड़े मौके

अक्सर ऐसा देखने में आता है कि जो लोग ऑफिस या कंपनी के बिजनेस को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं, उन्हें इसका इनाम भी मिलता है. अतः अगर आप भी अपने अच्छे और यूनिक आइडियाज बॉस के सामने शेयर करेंगे, तो आपको आगे चल कर बड़े मौके मिल सकते हैं. 'हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू' में कहा गया है कि आधुनिक दुनिया की सभी बड़ी कंपनियां और बिजनेस यूनिक और ओनली आइडियाज की ही देन हैं.

लॉजिकल और ठोस हों आपके सुझाव

यूनिकनेस का मतलब यह नहीं कि आप किसी के सामने कोई भी निराधार बात या पूरी तरह काल्पनिक आइडिया सुनाने लगें. बोलने से पहले आपको अपने आइडिया को अच्छी तरह लॉजिक और सॉलिडिटी की कसौटी पर कस लेना चाहिए. क्योंकि सिर्फ आइडिया शेयर करना काफी नहीं, बल्कि उसे लागू करने के बारे में प्रैक्टिकली एक्सप्लेन करना भी जरूरी है.

टेक्नो अलर्ट

कोरोना वैक्सीन

के लिए खुद को इस तरह करें रजिस्टर

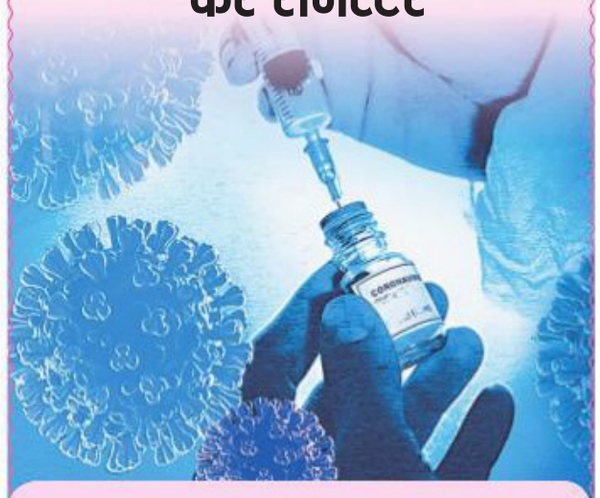

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने घोषणा की है कि 1 मई से 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी भारतीय नागरिक को Covid-19 वैक्सीनेशन दी जायेगी. इसके लिए आपको खुद को पहले ऑनलाइन रजिस्टर कराना होगा और फिर अस्पताल जाकर कोविड वैक्सीनेशन ले सकती हैं. जानें कि किस तरह आप कोरोना वैक्सीन के लिए अपना अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं और कैसे वैक्सीन लेने के बाद अपना सर्टिफिकेट डाउनलोड कर सकते हैं.

1 सबसे पहले गूगल ओपन करके www.cowin.gov.in बेवसाइट पर जाएं. वहां आपको अपना मोबाइल नंबर फीड करें. इसके बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आयेगा. उसे एंटर करके वेरिफाइ बटन पर क्लिक कर दें.

2 वेबसाइट पर रजिस्टर करने के बाद आपको Registration of Vaccination विकल्प पर जाना होगा.

वहां अपनी फोटो आइडी का प्रकार, फोटो आइडी नंबर, नाम, जन्म तिथि, लिंग और अन्य डिटेल्स भरें. इसके बाद Register बटन क्लिक कर दें. आपको एक SMS के जरिये सभी जरूरी डिटेल्स मिल जायेगी. सभी डिटेल्स को अच्छे से चेक कर लें. यहां आपको Beneficiary Reference ID दिखेगी. उसे सेव कर रख लें.

3 आप इस अकाउंट को तीन लोगों को अपने साथ लिंक कर सकते हैं. इसके लिए अकाउंट डिटेल्स पेज के नीचे दायीं तरफ Add More बटन पर क्लिक करना होगा. इस तरह आपने अपनी डिटेल्स भरी थीं उसी तरह आपको इनकी भी डिटेल्स एंटर करनी होंगी.

4 अपना नजदीकी सेंटर ढूढंने के लिए आपको www.cowin.gov.in पर जाकर नीचे की तरफ स्क्रॉल करना होगा. यहां आपको मैप और डायलॉग बॉक्स दिखायी देगी, जिसमें लिखा होगा Enter place/address/eLoc'. यहां पर आप अपनी लोकेशन डिटेल्स एंटर कर दें और Go बटन पर टैप कर दें.

5 अपॉइंटमेंट शेड्यूल करने के लिए आपको अकाउंट डिटेल पेज पर जाएं. वहां हर यूजर के सामने कैलेंडर आइकन बना हुआ दिखेगा. वहां शेड्यूल अपॉइंटमेंट बटन पर भी क्लिक करने पर वैक्सीनेशन पेज पर बुक अपॉइंटमेंट का विकल्प दिखेगा. इस पेज पर आप अपने मुताबिक वैक्सीनेशन सेंटर का चुनाव कर सकते हैं.

6 वैक्सीनेशन सेंटर सेलेक्ट करने के बाद आपको स्लॉट दिखायी देंगे. अपने मन मुताबिक स्लॉट चुन लें. फिर Book बटन पर क्लिक करें. Appointment Confirmation पेज ओपन होगा. वहां सभी डिटेल्स को अच्छी तरह चेक करके Confirm बटन पर क्लिक कर दें. इसके बाद निर्धारित समय पर जाकर आप वैक्सीन ले सकते हैं.

7 Covid-19 वैक्सीन सर्टिफिकेट को डाउनलोड करने के लिए Aarogya Setu एप्प को ओपन करके Cowin टैब पर जाना होगा). इसके बाद Vaccination Certificate विकल्प पर जाकर Beneficiary Reference ID डालें और Get Certificate बटन पर क्लिक करें. इस सर्टिफिकेट में नाम, जन्म तिथि, बेनिफिशियरी रेफरेंस आइडी, फोटो पहचान पत्र, टीका नाम, अस्पताल का नाम, तिथि और अन्य विवरण मौजूद होंगे.

8 cowin.gov.in से सर्टिफिकेट डाउनलोड करने के लिए https://selfregistration.cowin.gov.in/vaccination-certificate पर जाएं. इसके बाद Beneficiary Reference ID डालें. फिर सर्च बटन पर टैप कर सर्टिफिकेट डाउनलोड कर लें.

केकेआर के खिलाफ मुकाबले में जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी पंजाब किंग्स

अहमदाबाद, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को कप्तान लोकेश राहुल की पंजाब किंग्स टीम का मुकाबला इयोन मोर्गन की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। पंजाब किंग्स की टीम इस मैच में भी जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी। पंजाव को लगातार तीन हार के बाद पिछले मैच में जीत मिली थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में अब वह पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहेगी। आईपीएल के इस 14 वें सत्र में पंजाब ने जीत के साथ शुरूआत की थी पर इसके बाद उसे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा। टीम ने इसके बाद गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स को हराकर अच्छी वापसी की थी। ऐसे में पंजाब का केकेआर के खिलाफ होने वाले मुकाबले में पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि कप्तान लोकेश राहुल सहित टीम के पास कई अच्छे बल्लेबाज हैं। राहुल स्वयं अच्छे फार्म में हैं। उन्होंने मुंबई के खिलाफ हुए मुकाबले में शानदार अर्धशतक लगाकर टीम को जीत की राह पर पहुंचाया था। राहुल के अलावा सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल भी अच्छे फॉर्म में हैं। टीम के पास क्रिस गेल जैस विस्फोटक बल्लेबाज भी है जो किसी भी गेंदबाजी क्रम को धवस्त कर सकता है।

पंजाब के लिए चिन्ता का कारण बल्लेबाज दीपक हुड्डा का खराब प्रदर्शन है। दीपक अभी तक केवल एक मैच में ही रन बना पाये हैं। बल्लेबाज निकोलस पूरन को भी इस मैच में जगह शायद ही मिले। वह चार पारियों में केवल नौ रन बना पाए हैं और इस दौरान तीन मैचों में वह खाता भी नहीं खोल पाये हैं। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास स्पिनर रवि बिश्नोई और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी हैं। इन दोनो ने ही अब तक अच्छा प्रदर्शन कर विरोधी टीमों पर दबाव बनाया है। इन दोनो के अलावा युवा अर्शदीप सिंह ने भी अपनी गेंदबाजी से टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

वहीं दूसरी ओर मोर्गन की कप्तानी में खेल रही केकेआर की टीम अब तक सभी क्षेत्रों में नाकाम रही है। टीम को पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स ने छह विकेट से हराया था। इससे भी वह दबाव में रहेगी। केकेआर को अगर यह मैच जीतना है तो उसे बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। अभी तक टीम का शीर्ष क्रम रन नहीं बना पाया है।

नितीश राणा ने दो अर्धशतक लगाये हैं जबकि दिनेश कार्तिक ने कुछ अच्छी पारियां खेली हैं पर अन्य बल्लेबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। पैट कमिंस ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ नाबाद 66 रन की पारी खेली थी पर वह अंतिम समय में टीम को जीत नहीं दिला पाये। इसके अलावा युवा शुभमन गिल भी पांच पारियों में केवल 80 रन ही बना पाए हैं जबकि मोर्गन पांच पारियों में ने 45 रन बनाये हैं। सुनील नारायण भी शीर्ष क्रम पर अवसर मिलने के बाद भी उनका लाभ नहीं उठा पाये हैं। वहीं गेंदबाजी में मुख्य तेज गेंदबाज कमिंस उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं उन्हें अबतक केवल चार विकेट ही मिले हैं पर आंद्रे रसेल, वरूण चक्रवर्ती और प्रसिद्ध कृष्णा का प्रदर्शन ठीक रहा है। इन गेंदबाजों ने सात, छह और पांच विकेट लेकर अपना प्रभाव बनाये रखा है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मुकाबले में दोनो ही टीमें अपनी ओर से पूरा जोर लगा देंगी।

दोनो टीमें इस प्रकार हैं: पंजाब किंग्सः लोकेश राहुल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, क्रिस गेल, मनदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह, निकोलस पूरन, सरफराज खान, दीपक हुड्डा, मुरुगन अश्विन, रवि बिश्नोई, हरप्रीत बरार, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, इशान पोरेल, दर्शन नल्कंडे, क्रिस जोर्डन, डेविड मालन, झाय रिचर्डसन, शाहरुख खान, रिले मेरेडिथ, मोइजेस हेनरिक्स, जलज सक्सेना, उत्कर्ष सिंह, फैबियन एलेन और सौरभ कुमार।

कोलकाता नाइट राइडर्सः इयोन मोर्गन (कप्तान), दिनेश कार्तिक, शुभमन गिल, नितीश राणा, टिम सीफर्ट, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, कुलदीप यादव, शिवम मावी, लॉकी फर्ग्युसन, पैट कमिंस, कमलेश नागरकोटी, संदीप वारियर, प्रसिद्ध कृष्णा, राहुल त्रिपाठी, वरुण चक्रवर्ती, शाकिब अल हसन, शेल्डन जैक्सन, वैभव अरोड़ा, हरभजन सिंह, करुण नायर, बेन कटिंग, वेंकटेश अय्यर और पवन नेगी।

टॉस जीतकर सीएसके की अच्छी शुरूआत

मुंबई, (एजेंसी)। कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने यहां आईपीएल के 19 वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरूआती नौ ओवरों में बिना किसी नुकसान के 74 रन बना लिए थे। रुतुराज गायकवाड़ 33 और फाफ डु प्लेसिस 38 रनों पर खेल रहे थे।

दोनो टीमें इस प्रकार हैं।

प्लेइंग इलेवन

चेन्नई सुपर किंग्स : महेन्द्र सिंह धोनी (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, फाफ डु प्लेसिस, सुरेश रैना, अंबाती रायुडू, रवींद्र जडेजा, सैम कुरेन, ड्वेन ब्रावो, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर और इमरान ताहिर।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : विराट कोहली (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ग्लेन मैक्सवेल, एबी डिविलियर्स वाशिंगटन सुंदर, डैनियल क्रिश्चियन, काइल जैमीसन, हर्षल पटेल, नवदीप सैनी, मोहम्मद सिराज और युजवेंद्र चहल।

बेलग्रेड में एटीपी सर्बिया ओपन टेनिस में खेलते हुए टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच।

अटल टनल के पास बनाया जाएगा क्रिकेट स्टेडियम

शिमला, (एजेंसी)। देश में सबसे ऊंचाई पर क्रिकेट स्टेडियम हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति जिले में बनेगा। 10 हजार दर्शक क्षमता वाला यह स्टेडियम अटल टनल, रोहतांग से करीब 8 किमी दूर सिस्सू में बनाया जाएगा। इससे पहले राज्य के सोलन जिले के चायल में 7,500 फुट की ऊंचाई पर देश का सबसे उंचा क्रिकेट स्टेडियम है, जिसे 1891 में पटियाला के महाराज भूपेंद्र सिंह ने बनाया था। समुद्रतल से 11 हजार फीट की ऊंचाई पर बनने वाले इस स्टेडियम के निर्माण के लिए 38 बीघा भूमि का चयन किया जा चुका है। भूमि के अधिग्रहण के लिए वन संरक्षण अधिनियम के तहत मंजूरी के लिए देहरादून भेजा जाएगा, ताकि जमीन को स्टेडियम के लिए स्थानांतरित किया जा सके और क्रिकेट निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जा सके।

लाहौल स्पीति जिला क्रिकेट संघ पिछले सात सालों से स्टेडियम बनाने को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। स्टेडियम से लाहौल-स्पीति के साथ चंबा के पांगी किलाड, कुल्लू और मंडी के क्रिकेटरों को फायदा होगा। लाहौल-स्पीति जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र ठाकुर का कहना है कि इसकी फाइल वन विभाग को सौंप दी है। राज्य सरकार की अनुशंसा के बाद फाइल को स्वीकृति के लिए देहरादून भेजा जाएगा। जिसके बाद सिस्सू में क्रिकेट स्टेडियम निर्माण का रास्ता साफ हो जाएगा।

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीतकर चीनी भारोत्तोलकों को पीछे छोड़ना चाहती हैं मीराबाई चानू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि वह आगामी टोक्यों ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर इस खेल में चीन के प्रभाव को समाप्त करने के इरादे से उतरेंगी। इस भारोत्तोलक ने कहा, मैं ओलंपिक में रजत पदक नहीं जीतना चाहती, मैं स्वर्ण पदक ही जीतना चाहती हूं। मीराबाई भारोत्तोलन में दबदबा बनाये रखने वाले चीन से बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। इसके लिए वह इन खेलों में शीर्ष स्थान हासिल करना चाहती हैं। ओलंपिक से उत्तर कोरिया के हटने के बाद 49 किग्रा वर्ग में मीराबाई और चीन की भारोत्तोलकों के बीच सीधा मुकाबले होने की संभावनाएं हैं। मीराबाई ने कहा कि मुझे चीन की भारोत्तोलकों से बेहतर प्रदर्शन करना होगा क्योंकि वे सोचती हैं कि कोई भी उनसे अधिक वजन नहीं उठा सकता पर मैं इस धारणा को गलत साबित कर दूंगी। टोक्यो खेलों की क्वालीफाइंग रैंकिंग में अभी चीन की दो भारोत्तोलक ही मीराबाई से आगे हैं पर नियमों के अनुसार इनमें से केवल एक ही ओलंपिक में हिस्सा ले सकती है। मीराबाई का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 205 किग्रा है जबकि चीन की होउ झीहुई ने एशियाई चैंपियनशिप में स्नैच में विश्व रिकॉर्ड सहित कुल 213 किग्रा वजन उठाया। 26 साल की मीराबाई को पता है कि चीन की खिलाड़ी को टक्कर देने के लिए उन्हें स्नैच में अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। झीहुई का 96 किग्रा महाद्वीपीय प्रतियोगिता में नया विश्व रिकॉर्ड है जबकि मीराबाई का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88 किग्रा है। उन्होंने कहा, चीन की खिलाड़ियों की बराबरी करने के लिए मुझे स्नैच में सुधार करना होगा।

सैमसन ने गेंदबाजों को दिया जीत का श्रेय

मुंबई, (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने आईपीएल मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर मिली शानदार जीत के बाद अपने गेंदबाजों की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें जीत का श्रेय दिया है।

सैमसन ने कहा कि पिछले कुछ मैचों के दौरान उनके गेंदबाजों का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है और उम्मीद है कि यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। साथ ही कहा कि उनके पास कई विकल्प हैं जिन्हें आने वाले मुकाबलों में अवसर मिल सकता है।

सैमसन ने कहा, टीम के गेंदबाज पिछले चार पांच मैचों से निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रहे है। अनुभवी गेंदबाजों के साथ युवा भी अच्छा कर रहे है। ऐसे में मेरे लिए टीम की कप्तानी का अनुभव काफी अच्छा है।

केकेआर के खिलाफ मैच में 41 गेंद में 42 रन की नाबाद पारी खेलने वाले सैमसन ने कहा, मैं बल्लेबाजी के बारे में कभी बाहर से कुछ सोचकर आता नहीं हूं, मैं हालातों के अनुसार अपने को ढालने का प्रयास करता हूं। उन्होंने मैन ऑफ द मैच क्रिस मौरिस की तारीफ करते कहा कि वह बड़े बल्लेबाजों के विकेट लेना चाहते थे। सैमसन ने यह भी कहा कि हम पिछले हफ्ते से लगातार मैच खेल रहे हैं। इसलिए अब तरोताजा होने के लिए एक दिन की छुट्टी लेंगे और फिर अगले खेल की योजना बनाएंगे।

वहीं मैच में चार विकेट लेने वाले मौरिस ने कहा, इस पिच पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी, हमने दोनों टीमों को संघर्ष करते हुए देखा। साथ ही कहा, बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर जैसे बड़े खिलाड़ियों के चोटिल होने से टीम को भारी नुकसान हुआ है पर हमारे पास उनका विकल्प था।

केकेआर के कप्तान मॉर्गन ने हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

मुम्बई, (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान इयोन मॉर्गन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में मिली हार पर निराशा व्यक्त की है। मॉर्गन ने हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि टीम अपनी लय हासिल नहीं कर पा रही है। इसी कारण टीम को असफलता का सामना करना पड़ रहा है। केकेआर के कप्तान मोर्गन ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए मैच के बाद कहा, बल्लेबाजों ने टीम को निराश किया है। हमारी पूरी पारी के दौरान इरादों की कमी नजर आयी। हम खेल में काफी पीछे थे। हम विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव नहीं बना पाये। हमने करीब 40 रन कम बनाये जो अहम साबित हुए। वहीं दूसरी ओर राजस्थान टीम ने पिच का पूरा लाभ उठाकर हमें खुलकर खेलने का कोई अवसर नहीं दिया।

मॉर्गन ने कहा, विकेट उतना अच्छा नहीं था जितना कि वानखेड़े में आम तौर पर होता है। यह अपने आप में एक चुनौती थी। जब भी हमने आक्रमण का प्रयास किया हमें विकेट खोने पड़े। हमने निचले क्रम के बल्लेबाजों पर काफी कुछ छोड़ दिया जो हमें नहीं करना चाहिए था। अब हमें अगले मुकाबले में लक्ष्य बनाकर खेलना होगा। हम चाहते हैं कि सभी खिलाफ निडर होकर अपना स्वाभाविक खेल खेलें जो इस मैच में नहीं हो पाया। मोर्गन भी अब तक इस सत्र में रन नहीं बना पाये हैं। राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में वह दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। कप्तान के तौर पर यह आंकड़ा और भी निराशाजनक है।

बायो बबल के कारण क्रिकेट से नफरत करने लगा था : बेस

लंदन, (एजेंसी)। कोरोना महामारी के कारण खेलों में सभी खिलाड़ियों को जैविक रूप से सुरक्षित माहौल (बायो बबल) में रहना पड़ रहा है जिसके कई नकारात्मक परिणाम भी हैं जो अब सामने आ रहे हैं। इंग्लैंड क्रिकेटर डॉम बेस ने कहा है भारत दौरे में लंबे समय तक बायो बबल में रहने के बाद से ही वह क्रिकेट से नफरत करने लगे थे। बेस ने भारत दौरे में इंग्लैंड की ओर से चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दो मैचों में खेला था। चेन्नई में पहले टेस्ट के बाद बेस को अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया पर अहमदाबाद में अंतिम टेस्ट के लिए उन्हें टीम में जगह मिल गयी थी।

भारत में लगभग सात सप्ताह जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहने के बाद बेस अब काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। बेस के कहा कि भारत दौरे के बाद मैंने अच्छा ब्रेक लिया क्योंकि मैं क्रिकेट से नफरत करने लगा था। मैं बेहद दबाव में था, भारत में जैविक रूप से सुरक्षित माहौल के दौरान सभी पर काफी दबाव था और मेरे लिए यह काफी अहम था कि वापस आकर मैं इससे दूर हो जाऊं। भारत से लौटने के बाद बेस ने दो से तीन सप्ताह का ब्रेक लिया। बेस ने कहा कि भारत में जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में क्रिकेट ही सब कुछ था। जब आप अच्छा प्रदर्शन करते हो तो ठीक है लेकिन जब चीजें सही नहीं होती तो फिर काफी परेशानी हो जाती हैं। भारत में जो हुआ उसे मैं सकारात्मक पक्ष के रूप में देखता हूं। यह काफी मुश्किल समय था लेकिन मेरे लिए सीखने के लिहाज से अहम रहा। इस नजरिये से भी कि मैं अपने खेल को कहां देखता हूं, मुझे पता है कि मुझे क्या करना है। इससे भविष्य के मुकाबलों की तैयारी में भी मुझे सहायता मिलेगी।

पूर्व फुटबॉलर प्रणब गांगुली का निधन

कोलकाता, (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व फुटबॉलर प्रणब गांगुली का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। प्रणब 75 वर्ष के थे। उन्हें पिछले दिनों से सांस लेने में परेशानी हो रही थी। वह मोहन बागान क्लब की ओर से खेलते थे। क्लब के अनुसार उन्होंने पार्क सर्कस स्थित अपने आवास में अंतिम सांस ली। प्रणब साल 1969 में मडेर्का कप में खेलने वाली भारतीय टीम में शामिल थे। उन्होंने लगातार आठ सत्र तक मोहन बागान की तरफ से खेलते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1969 में आईएफए शील्ड फाइनल में किया था।

जर्मनी में बुंदेलसगा लीग फुटबॉल मुकाबले में खेलते हुए डोरमंट और वूल्फबर्ग के खिलाड़ी।

ब्रिटेन में चीन के यान बिंगटाओ विश्व स्नूकर चैम्पियनशिप में खेलते हुए।

शुभमन के बचाव में सामने आये टीम मेंटर हसी

मुंबई, (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के बचाव में टीम मेंटर डेविड हसी सामने आये हैं। आईपीएल के इस सत्र में अब तक रन नहीं बनाने के कारण शुभमन सभी के निशाने पर हैं। वहीं हसी ने कहा है कि शुभमान एक शीर्ष स्तर का खिलाड़ी है जो लीग के समाप्त होने पर सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल होगा। शुभमन इस बार पांच मैचों में 80 रन ही बना पाए हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ टीम की छह विकेट की हार के बाद हसी ने कहा, वह स्टार खिलाड़ी है, उसने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था। वह अपने काम को लेकर भी काफी ईमानदार है। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि फॉर्म आती-जाती रहती है पर आपका स्तर स्थाई होता है।

हसी ने कहा, वह स्तरीय खिलाड़ी है, मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह। इसी लिए वह टूनार्मेंट के अंत में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल होगा। टूनार्मेंट की शुरूआत जीत के साथ करने वाले नाइट राइडर्स को शनिवार को सत्र की लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा और टीम अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। यह पूछने पर कि तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन को अब तक मौका क्यों नहीं मिला है तो हसी ने कहा कि टीम प्रबंधन बैठकर रणनीति तैयार करेगा। उन्होंने कहा, फर्ग्युसन अपनी गेंदबाजी के शीर्ष पर है, वह स्तरीय गेंदबाज है। पिछले साल यूएई में भी हुए आईपीएल में उसने टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था। वह अगले मैचों में चयन के लिए दावेदारी पेश करेगा।

गिलक्रिस्ट ने कोरोना महामारी के बीच ही आईपीएल के आयोजन पर सवाल उठाये

सिडनी, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज रहे एडम गिलक्रिस्ट ने कोरोना महामारी के बीच ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आयोजन पर सवाल उठाये हैं।

गिलक्रिस्ट के अनुसार जब भारत में कोरोना संक्रमण से हालात लगातार बिगड़ रहे हैं और अधिकतर जगहों पर लॉकडाउन है। उसी दौरान आईपीएल का आयोजन सही नहीं कहा जा सकता है।

गिलक्रिस्ट ने ट्विटर के जरिये अपनी चिंता व्यक्त की है और पूछा है कि क्या यह सही है गिलक्रिस्ट ने ट्वीट करते हुए लिखा, भारत में सभी के लिए दुआएं। वहां कोविड के आंकड़े भयावह होते जा रहे हैं। इसके बाद भी आईपीएल जारी है, क्या ये कोई ध्यान भटकाने का तरीका है

गौरतलब है कि आईपीएल का पिछला सत्र कोविड-19 संक्रमण के कारण संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित कराया गया था। वहीं इस साल 14 वें सत्र का आयोजन भारत में ही हो रहा है।

गिलक्रिस्ट से पहले टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने भी बढ़ते कोरोना संक्रमण पर चिंता जतायी थी।

आईपीएल में तीन बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे रैना ने कोविड को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए एक ट्वीट करते हुए लिखा था, मेरी हर किसी से एक विनम्र अपील है। अगर आपके पास घर में रहने का विकल्प है तो कृपया घर में ही रहिए ताकि आपका परिवार और देश सुरक्षित रह सके। इस प्रकार डॉक्टरों, पुलिस, सरकारी अधिकारियों। की मदद करने का प्रयास कीजिए क्योंकि यह समय की मांग है।